हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 12 नवंबर 2026



उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में, 184 किसानों ने तुंहर टोकन एप से कराया पंजीयन

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

घर बैठे 719.40 क्विंटल धान बेचने के लिए बुक किए टोकन

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले ही किसानों में उत्साह नजर आने लगा है। 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी के लिए किसान अब घर बैठे मोबाइल से टोकन बुक कर रहे हैं। राज्य शासन की ओर से शुरू किए गए 'तुंहर टोकन' एप के माध्यम से रायपुर जिले के 184 से अधिक किसानों ने अब तक 719.40 क्विंटल से अधिक धान बेचने के लिए ऑनलाइन टोकन बुक करा लिया है।

इन किसानों ने जिले के 72 उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किए हैं। एप के जरिए टोकन मिलने से किसानों को अब उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। मोबाइल से अपनी सुविधानुसार टोकन बुक करने की व्यवस्था से समय और आवागमन का खर्च बच रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में धान खरीदी के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले के सभी 160 धान उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। 15 नवंबर से खरीदी शुरू करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि केंद्रों में किसानों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें और धान बेचने के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। खरीदी की पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से संचालित करने पर जोर दिया गया है।

इस वर्ष जिले में किसानों की सुविधा के लिए 21 नए धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए नजदीक में ही केंद्र उपलब्ध होंगे। खासकर दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को अब धान लेकर लंबी दूरी तय करने से राहत मिलेगी। इससे परिवहन में लगने वाला समय और खर्च भी कम होगा।

नए केंद्रों में धरसींवा विकासखंड के पवनी और परसतराई, आरंग के मालीडीह, अकोलीकला, अमेठी, समोदा, बोहरडीह, बनरसी, चरोदा, तोड़गांव और मुनगी शामिल है। इसी तरह अभनपुर विकासखंड में बकतरा, भरेंगा, हसदा और उमरपोटी तथा तिल्दा विकासखंड में भुरसुदा, भूमिया, तुलसी, मोहगांव, भहड़ा और खपरीडीहखुर्द में नए खरीदी केंद्र बनाए गए हैं।



1.39 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर धान बेचने कुल 1 लाख 39 हजार 854 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों का कुल धान रकबा करीब 1 लाख 29 हजार 121 हेक्टेयर है। जिला प्रशासन की ओर से किसानों को सुगम और पारदर्शी तरीके से धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। अब 15 नवंबर से खरीदी शुरू होने का इंतजार है।

कारोबारियों, पुलिसकर्मियों और अधिकारियों से दोबारा पूछताछ की तैयारी

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर की होगी कोर्ट में पेशी, ईडी गिरफ्तार कर मांग सकती है रिमांड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नेटवर्क, निवेश, पैनल आपरेटर और प्रोटेक्शन मनी को लेकर सीबीआई ने की है पूछताछ

ओमान से प्रत्यर्पित महादेव सट्टा एप के प्रमोटर को आज सीबीआई रायपुर स्पेशल कोर्ट में पेश करेगी। ओमान से गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश कर सीबीआई ने पूछताछ करने आठ दिन की रिमांड हासिल की थी। रिमांड अवधि 12 नवंबर को समाप्त हो रही है। दिल्ली में चल रही पूछताछ में जांच एजेंसी का पूरा फोकस इस बात पर है कि उसने इतना बड़ा बेटिंग एप का नेटवर्क कैसे खड़ा किया, किन लोगों ने इसमें निवेश किया, अलग-अलग पैनलों के जरिए इसका संचालन कैसे होता था और इस अवैध कारोबार को किन लोगों का संरक्षण मिला।

सूत्रों के मुताबिक सीबीआई की टीम सौरभ चंद्राकर से नेटवर्क के विस्तार, प्रमोटरों, फाइनेंसरों, पैनल संचालकों और रकम के लेन-देन से जुड़े सवाल कर रही है। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि सट्टे से होने वाली कमाई का कितना हिस्सा शीर्ष स्तर पर पहुंचता था और किस माध्यम से अलग-अलग लोगों तक रकम पहुंचाई जाती थी। प्रोटेक्शन मनी की रकम राज्य के भीतर ही बांटी जाती थी या दूसरे राज्यों तक भी इसका नेटवर्क फैला हुआ था। सीबीआई की टीम बुधवार को सौरभ चंद्राकर को दिल्ली से रायपुर लेकर पहुंची है। इधर ईडी द्वारा उसकी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट में आवेदन लगाए जाने की जानकारी मिली है।

बैंक अकाउंट, हवाला नेटवर्क की जांच

अलग म्यूल अकाउंट से घुमाकर हवाला के माध्यम से विदेश पैसे भेजे जाने के आरोपों की सीबीआई की टीम जांच कर रही है। सीबीआई ने कोर्ट में कुछ बैंक खातों के दस्तावेजों के दुरुपयोग की आशंका भी जताई थी। एजेंसी यह पता लगा रही है कि किन लोगों के नाम पर खाते खोले गए, उनका वास्तविक संचालन कौन करता था और विदेशों में रकम भेजने के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल हुआ। सौरभ से पूछताछ में मिलने वाली वित्तीय जानकारियों का मिलान बैंक रिकार्ड और अन्य दस्तावेजों से किया जा सकता है।



इन बिंदुओं पर जांच जारी

ऑनलाइन बेटिंग एप का नेटवर्क प्रमोटरों से लेकर कई शाखाओं तक फैला था। शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों को जोड़ा जाता था और आनलाइन दांव लगाए जाते थे। सीबीआई अदालत में पेश अपनी दलीलों में इस नेटवर्क से हर महीने बड़े पैमाने पर कमाई होने का आरोप लगा चुकी है। अब एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि किस पैनल से कितनी रकम जुटाई गई, उसका हिसाब कौन रखता था और रकम आगे किन लोगों तक पहुंचाई जाती थी।

रवि उप्पल के प्रत्यर्पण के लिए सवा तीन हजार पन्नों का दस्तावेज

यूएई जेल में बंद महादेव सट्टा एप के एक और प्रमोटर रवि उप्पल को इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई ने भारत प्रत्यर्पण करने कोशिश तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक उसे भारत लाने सीबीआई तथा ईडी ने 32 सौ पन्नों का दस्तावेज तैयार कर अरबी तथा अंग्रेजी भाषा में ट्रांसलेट कराकर यूएई गवर्मेंट को सौंपा है।

इन लोगों से दोबारा पूछताछ की तैयारी

महादेव सट्टा एप के प्रमुख चेहरों में शामिल कारोबारी विकास गर्ग, अमित कुमार अग्रवाल, नितिन तिबड़ेवाल, हरीश तिबड़ेवाल, रोहित गुलाटी, गिरीश तलरेजा और सुरेश चोखानी से दोबारा पूछताछ की तैयारी है। इसके अलावा एएसआई चंद्रभूषण वर्मा, सिपाही सहदेव यादव और अर्जुन सहित अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है। राज्य के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस जारी कर दिल्ली बुलाए जाने की जानकारी सामने आई है। सीबीआई सौरभ चंद्राकर के सामने कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों और कारोबारियों को बैठाकर आमने-सामने पूछताछ कर सकती है। इसका उद्देश्य अलग-अलग लोगों के बयानों का मिलान करना और पैसों के लेन-देन तथा कथित संरक्षण से जुड़ी कड़ियों को जोड़ना है।

परखा जाएगा विद्यार्थियों का गणितीय कौशल, ऑनलाइन होगा 'आर्यभट्ट चैलेंज'

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सीबीएसई ने कक्षा 8वीं से 10वीं तक के छात्रों के लिए आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2026 की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता के दो चरण होंगे। पहले चरण में स्कूल स्तर पर परीक्षा होगी, जबकि दूसरे चरण में राष्ट्रीय स्तर पर कंप्यूटर आधारित टेस्ट लिया जाएगा। छात्रों को गणित की समझ परखने का मौका मिलेगा।

- 8वीं से 10वीं कक्षा तक के छात्र ही ले सकेंगे हिस्सा

जानें रजिस्ट्रेशन की तारीख, परीक्षा का तरीका, फीस और पुरस्कार की जानकारी

इस प्रतियोगिता का मकसद छात्रों में गणित की समझ, सोचने की क्षमता और सवाल हल करने की आदत को बढ़ावा देना है। इसमें छात्रों को गणित के अलग-अलग विषयों से जुड़े सवालों का जवाब देना होगा। प्रतियोगिता दो चरणों में होगी। पहला चरण स्कूल स्तर पर और दूसरा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले छात्रों को अपनी गणित की जानकारी और समझ दिखाने का मौका मिलेगा। आर्यभट्ट गणित चैलेंज का पहला चरण स्कूल स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 4 नवंबर से प्रारंभ हो चुकी है, जो 18 नवंबर तक चलेगी। इस चरण में छात्र अपने स्कूल के जरिए हिस्सा ले सकेंगे। स्कूलों को 25 और 26 नवंबर को सवालों के पेपर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह परीक्षा स्कूल में ही होगी और इसमें शामिल होने के लिए छात्रों से कोई फीस नहीं ली जाएगी। यानी पहले चरण में हिस्सा लेना पूरी तरह मुफ्त रहेगा। स्कूल अपने स्तर पर छात्रों की भागीदारी और परीक्षा से जुड़ी तैयारी पूरी

तीन छात्रों का ही चयन

पहले चरण के बाद हर स्कूल से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीन छात्रों को दूसरे चरण के लिए चुना जाएगा। इन छात्रों का रजिस्ट्रेशन 27 नवंबर से 30 नवंबर तक किया जा सकेगा। दूसरे चरण की परीक्षा 2 दिसंबर को होगी। यह परीक्षा कंप्यूटर पर ऑनलाइन तरीके से ली जाएगी। इस चरण में हिस्सा लेने के लिए हर स्कूल को 900 रुपए फीस देनी होगी। इसलिए स्कूलों को तय समय के भीतर चुने गए तीनों छात्रों का रजिस्ट्रेशन पूरा करना होगा। दूसरे चरण में छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी गणित की समझ दिखाने का मौका मिलेगा।

एक घंटे की परीक्षा

आर्यभट्ट गणित चैलेंज के दूसरे चरण में एक घंटे की ऑनलाइन परीक्षा होगी। यह कुल 40 अंकों की होगी। इसमें बहुविकल्पीय सवाल यानी एमसीक्यू पूछे जाएंगे। हर सवाल के लिए दिए गए विकल्पों में से सही जवाब चुनना होगा। खास बात यह है कि गलत जवाब देने पर कोई अंक नहीं काटा जाएगा। परीक्षा में गणित के कई जरूरी हिस्सों से सवाल पूछे जाएंगे। इनमें बीजगणित, ज्यामिति और आंकड़ों का विश्लेषण जैसे विषय शामिल हैं। छात्रों को इन विषयों की अच्छी समझ रखनी होगी, ताकि वे तय समय में ज्यादा से ज्यादा सवालों के सही जवाब दे सकें। हर क्षेत्र के राष्ट्रीय स्तर के दूसरे चरण में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 100 छात्रों को मेरिट सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

पटवारी हड़ताल और प्रशासनिक अव्यवस्था से किसान परेशान, धान के रकबे में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने राज्य में जारी पटवारियों की हड़ताल और उससे उपजी प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है, लेकिन प्रदेशभर में पटवारियों की लंबे समय से जारी हड़ताल के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शासन द्वारा पटवारियों की जायज मांगों पर सौहार्द्रपूर्ण चर्चा कर हड़ताल समाप्त कराने के बजाय उनके विरुद्ध कार्रवाई कर भय का वातावरण बनाया जा रहा है, जो उचित नहीं है।

एक बयान में श्री साहू ने कहा कि पटवारियों की अनुपस्थिति में फसल गिरदावरी का कार्य समुचित प्रशिक्षण एवं तकनीकी जानकारी के अभाव वाले स्थानीय युवकों से कराए जाने के कारण किसानों के खेतों के रकबे की प्रविष्टियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। अनेक किसानों की वास्तविक धान फसल के रकबे की तुलना में पोर्टल पर काफी कम रकबा दर्ज होने की शिकायतें मिल रही हैं। इससे किसानों को समर्थन मूल्य पर अपना धान बेचने में गंभीर परेशानी हो सकती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि तहसील कार्यालयों में भी किसानों की इन समस्याओं के निराकरण के लिए अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई जा रही है।

शासन-प्रशासन के समक्ष रखी ये मांग

पटवारियों की हड़ताल समाप्त कराने के लिए सकारात्मक पहल कर उनकी जायज मांगों का समाधान किया जाए। जिन किसानों के धान के रकबे में गड़बड़ी हुई है, उनकी शिकायतें दर्ज करने के लिए प्रत्येक तहसील में विशेष व्यवस्था की जाए। गांवों में मुनादी कराकर किसानों को तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी जाए।

वक्फ बोर्ड की 5 हजार करोड़ की संपत्तियों पर सीबीआई जांच के दावे पर सवाल

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की हजारों करोड़ की संपत्तियों पर कथित अवैध कब्जे और फर्जीवाड़े की सीबीआई जांच कराने के दावे पर आरटीआई से सवाल खड़े हो गए हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने प्रदेश की 5,723 संपत्तियों पर अवैध कब्जे और करीब 5,000 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य का हवाला देते हुए सीबीआई जांच कराने की बात कही थी, लेकिन सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में बोर्ड कार्यालय ने संबंधित कोई फाइल या दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने की बात कही है। आरटीआई के जवाब में बोर्ड कार्यालय ने स्पष्ट किया कि मांगी गई जानकारी से संबंधित कोई दस्तावेज या फाइल छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड में उपलब्ध नहीं है। बोर्ड अध्यक्ष के पूर्व दावों के अनुसार, प्रदेश की करीब 2,000 संपत्तियों पर किरायेदार काबिज हैं, जिनसे सालाना लगभग 200 करोड़ रुपये किराया मिलने की संभावना थी, जबकि वर्तमान में महज पांच लाख रुपये किराया मिलने की बात कही गई थी। इसके अलावा 562 कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए जाने का भी दावा किया गया था। इनमें 125 ने जवाब दिया, जबकि 437 को अंतिम नोटिस भेजने की बात कही गई थी।

कहां तक पहुंची प्रक्रिया, स्पष्ट करे बोर्ड

आरटीआई के जवाब के बाद सवाल उठ रहा है कि जब जांच से संबंधित फाइल और दस्तावेज बोर्ड कार्यालय में उपलब्ध नहीं हैं, तो सीबीआई जांच का प्रस्ताव शासन और केंद्र सरकार तक भेजने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची? वक्फ संपत्तियों के कथित कब्जों, किराया वसूली और जांच संबंधी दावों पर बोर्ड से स्थिति स्पष्ट करने की मांग उठ रही है। वक्फ संपत्तियों की वास्तविक स्थिति, कथित कब्जों, किराया वसूली और सीबीआई जांच के प्रस्ताव पर बोर्ड को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2027



1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अपील है कि मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए...

ECINET मोबाइल एप्प या www.voters.eci.gov.in के माध्यम से आज ही फॉर्म-6 में ऑनलाइन आवेदन करें।

आप अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के पास भी ऑफलाइन माध्यम से फॉर्म-6 भर कर जमा कर सकते हैं।

voters.eci.gov.in

फॉर्म 6 भरें 👉 नया मतदाता पंजीकरण के लिए

फॉर्म 6 क भरें 👉 प्रवासी भारतीय नागरिक (NRI) को नया मतदाता पंजीकरण के लिए

फॉर्म 7 भरें 👉 मतदाता सूची से नाम विलोपित (डिलीट) कराने के लिए

फॉर्म 8 भरें 👉 संशोधन/स्थानांतरण/नया ईपिक (EPIC) कार्ड के लिए

स. क्र.	कार्यक्रम का विवरण	तिथियां
1.	प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन	12 नवंबर 2026
2.	दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि	12 नवंबर 2026 से 11 दिसंबर 2026 तक
3.	दावों और आपत्तियों का निराकरण	28 दिसंबर 2026 तक
4.	मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन	04 जनवरी 2027

ECINET>>Book a Call with BLO | Call Helpline No 1950

Follow Us On CEOChhattisgarh

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़

रायपुर, कोरबा, बिलासपुर, सक्ती में आधा दर्जन ठगी के प्रकरण दर्ज, पुलिस ने आरोपी की पत्नी को किया गिरफ्तार

होटल कारोबारी और उसकी पत्नी के खिलाफ कारोबारी ने दर्ज कराई ठगी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

तेलीबांधा थाना में होटल कारोबारी दीपक टंडन उर्फ आंबेडकर टंडन तथा उसकी पत्नी बरखा टंडन के खिलाफ बीयर निर्माण करने वाले कारोबारी ने 56 लाख रुपए ठगी करने की दो अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी की पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश कर 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है। आरोपी की पत्नी के खिलाफ दो तथा दीपक के खिलाफ 10 दिन के भीतर पांच ठगी के अपराध दर्ज हुए हैं। तीन प्रकरण तेलीबांधा, एक प्रकरण सक्ती में तथा एक प्रकरण बिलासपुर में दर्ज किया गया है।

शंकर नगर निवासी आशीष जायसवाल ने टंडन दंपति के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। कारोबारी ने पुलिस को बताया है कि दीपक ने उनके पास अपनी पत्नी के नाम पर साढ़े 16 हजार वर्गफीट जमीन और रेस्टोरेंट बेचने का सौदा किया। इसके लिए कारोबारी से आरोपी ने 36 लाख रुपए एडवांस लिया। बाद में कारोबारी को पता चला कि जमीन दीपक टंडन के नाम पर नहीं है। कारोबारी ने आरोपी दंपति के खिलाफ 2023 मॉडल की फॉर्च्यूनर लीजेंडर कार बेचने के नाम पर 20 लाख रुपए ठगी करने की एक और शिकायत दर्ज कराई है। भुगतान के बाद भी कारोबारी को न तो कार मिली और न ही रकम वापस की गई। आरोपी दंपति ने कारोबारी से जमीन का सौदा 1.16 करोड़ रुपए में किया था।

कारोबारी द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार उनके द्वारा दंपति से पैसों की मांग की गई, तो दीपक ने कारोबारी को जान से मारने की धमकी देने के साथ उसे एट्रोसिटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी। आरोपी के बिलासपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार होने जानकारी मिलने पर आशीष जायसवाल, दीपक तथा उसकी पत्नी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। सक्ती के कोल तथा ट्रांसपोर्ट कारोबारी किशन शर्मा ने दीपक टंडन के खिलाफ सरकारी टेंडर दिलाने का झांसा देकर 15 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि मार्च 2022 में आरोपी ने उनसे संपर्क कर कोयले का बड़ा सरकारी टेंडर दिलाने का भरोसा दिलाया था। आरोपी ने उच्च अधिकारियों से अपनी पहचान और पहुंच होने का हवाला देते हुए टेंडर दिलाने का आश्वासन दिया। उसके झांसे में आकर किशन शर्मा ने चेक के माध्यम से कुल 15 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। रकम लेने के दौरान आरोपी ने गारंटी के तौर पर एचडीएफसी बैंक का 4 लाख रुपए का चेक और एक ब्लैंक चेक दिया था। बैंक से चेक और खाते के संबंध में जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि आरोपी का संबंधित बैंक खाता कई साल पहले ही बंद हो चुका था। आरोपी दंपति से जब्त मोबाइल में कई बड़े नौकरशाह, आधा दर्जन से ज्यादा राजपत्रित पुलिस अफसरों के चैट्स तथा वीडियो मिलने की चर्चा है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, गुरुवार 12 नवंबर 2026



पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई

बिक्री के आंकड़ों पर एक नजर

- 6 नवंबर 44.85 करोड़ रुपए
- 7 नवंबर 55.40 करोड़ रुपए
- 8 नवंबर 60 करोड़ रुपए
- 9 नवंबर 63.67 करोड़ रुपए
- 10 नवंबर 54 करोड़ रुपए

इस वर्ष राज्य के आबकारी विभाग के खजाने में 28 करोड़ रुपए ज्यादा जमा हुआ

7 नवंबर को प्रदेश में सबसे ज्यादा 55.40 करोड़ रुपए की शराब बिकी

होली जैसी दिवाली...पांच दिनों में पियक्कड़ गटक गए 280 करोड़ की शराब, रायपुर में 54 करोड़ का धंधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कुल बिक्री 278.82 करोड़ रुपए

- दीपावली की रात शराब बिक्री में 12 .3 प्रतिशत की वृद्धि सामने आई
- विदेशी शराब और बीयर की खरीदारी पर अधिक खर्च



राज्य में दीपावली के समय शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शराब पीने-पिलाने का चलन पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ गया है। दीपावली के समय पांच दिनों में पियक्कड़ 280 करोड़ रुपए की देशी के साथ विदेशी शराब गटक गए। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष पर्व के समय शराब बिक्री में 10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस वर्ष राज्य के आबकारी विभाग के खजाने में 28 करोड़ रुपए ज्यादा जमा हुआ।

खास खबर

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, 5 से 9 नवंबर के बीच प्रदेश में शराब की बिक्री 278.82 करोड़ रुपए से अधिक रही। पिछले साल इसी अवधि में करीब 260 करोड़ रुपए की शराब बिक्री हुई थी। इस तरह दीपावली के दौरान शराब की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। शराब बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें, तो शुरुआती दिन के बाद शराब कारोबार में लगातार तेजी देखने को मिली। 7 नवंबर ⏭शेष पेज 4 पर

देशी से ज्यादा अंग्रेजी शराब की मांग

सामान्य दिनों में देशी मदिरा पीने वालों ने भी दीपावली के अवसर पर छककर अंग्रेजी शराब पी। मध्य रेंज की कीमत का शराब सेवन करने वाले इस बार दीपावली में महंगी ब्रांड की शराब सेवन कर मस्ती में झूमते दिखे। आंकड़े बताते हैं कि त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं ने विदेशी शराब और बीयर की खरीदारी पर अधिक खर्च किया। दीपावली शुरू होने के पूर्व 5 नवंबर को शराब बिक्री का आंकड़ा पिछले साल की तुलना में कम रहा, लेकिन इसके बाद लगातार चार दिनों तक बिक्री में तेजी दर्ज की गई। दीपावली की रात शराब बिक्री में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि सामने आई।

टोटल बिक्री में रायपुर का 20 प्रतिशत योगदान

प्रदेश में पांच दिनों के अंदर जितने की शराब बिक्री हुई है, उसमें अकेले रायपुर जिला का 20 प्रतिशत के करीब योगदान रहा है। इन पांच दिनों में रायपुर जिला में 54. 60 करोड़ रुपए की शराब की बिक्री हुई है। दीपवली के दूसरे तथा तीसरे दिन की बिक्री जोड़ने पर आंकड़ा 75 करोड़ रुपए के पार होने की संभावना है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रायपुर जिले में 10 प्रतिशत ज्यादा शराब की बिक्री हुई है।

खबर संक्षेप

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ सैर के दौरान हुए बेहोश

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को सुबह की सैर के दौरान बेहोश हो गए।



उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में तत्काल विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। सुबह की सैर के दौरान गिरने और कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद धनखड़ के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर के वाहन से घर ले गए। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद आईएलबीएस की एक चिकित्सा टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच की।

रसायन टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में जेल रोड स्थित एक फैक्टरी में बुधवार को तीन मजदूरों की कथित तौर पर रसायन टैंक में गिरने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान गुरुग्राम निवासी नरेश कुमार (50) और बिहार के रहने वाले आरिफ (21) तथा अनिल झा (20) के रूप में हुई है। घटना दोपहर के आसपास हुई, जब तीन कर्मचारी संधार कंपनी के परिसर में काम कर रहे थे। उसने बताया कि तीनों कर्मचारी कथित तौर पर एक रसायन टैंक में गिर गए और जहरीले रसायनों तथा गैसों के संपर्क में आने के बाद बेहोश हो गए।

नमो भारत कॉरिडोर में यात्री पांच करोड़ के पार

नई दिल्ली। नमो भारत कॉरिडोर में यात्रियों की संख्या पांच करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है।



एनसीआरटीसी के अनुसार, एक करोड़ यात्रियों ने पिछले 93 दिन में इसके जरिये यात्रा की। यह अक्टूबर, 2023 में इस सेवा के शुरू होने के बाद से एक करोड़ के आंकड़े का सबसे कम समय है। एनसीआरटीसी ने बताया कि पिछले एक साल में कॉरिडोर पर तीन करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। दिसंबर, 2025 में यात्रियों की कुल संख्या दो करोड़ थी, जो नवंबर, 2026 में बढ़कर पांच करोड़ हो गई।

मणिशंकर अय्यर को मिली नेहरू फेलोशिप

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर को पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना के 1927 के 'दिल्ली मुस्लिम प्रस्तावों' पर आधारित एक परियोजना के लिए इस साल जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप दी गई है। 'दिल्ली मुस्लिम प्रस्तावों' मुस्लिम लीग ने कुछ संरचनात्मक सुरक्षा उपायों के बदले मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों की मांग छोड़ने की पेशकश की थी। जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड (जेएनएमएफ) ने घोषणा की है कि यह फेलोशिप दो साल की अवधि के लिए दी जा रही है, जिसमें हर महीने एक लाख रुपये का मानदेय और सालाना 75,000 रुपये की आकस्मिक राशि मिलती है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में नवी मुंबई सबसे स्वच्छ शहर, सूरत दूसरे और तीसरे स्थान पर विजयवाड़ा

छत्तीसगढ़ चमका, बिल्हा देश में अव्वल रायपुर और बिलासपुर को भी पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों स्वच्छ शहरों को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/ रायपुर

स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 10वें स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 पुरस्कार प्रदान किए।



केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में नवी मुंबई को सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। इसके बाद सूरत एवं विजयवाड़ा का स्थान रहा। बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

खास खबर

रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में ⏭शेष पेज 4 पर

छग को सम्मान

- बिल्हा- 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश में प्रथम
- बिलासपुर-'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय
- रायपुर- नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार

उप मुख्यमंत्री साव ने लिया पुरस्कार

छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और विभागीय सचिव सोनमणि बोरा ने समारोह में पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि में नगरीय निकायों के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और शहर के लोगों की भागीदारी को अहम माना गया है।

4751 से अधिक शहरों का 43 संकेतकों पर मूल्यांकन

देशभर के 4751 से अधिक शहरों का 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 संकेतकों पर मूल्यांकन किया गया। इनमें कचरे का पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, स्वच्छता सुविधाएं, सीवेज प्रबंधन, नागरिकों की भागीदारी और सफाई कर्मचारियों का कल्याण शामिल था।

- स्वच्छ तटीय शहर
  पुरी, ओडिशा
  अलाप्पुझा, केरल
  रत्नागिरी, महाराष्ट्र
- स्वच्छ पर्वतीय शहर
  जम्मू, जम्मू-कश्मीर
  रुद्रपुर, उत्तराखंड
  शोपियां, जम्मू-कश्मीर
- स्वच्छ रिवरफ्रंट वाले शहर
  रीवा, मध्यप्रदेश
  बिलासपुर, छत्तीसगढ़
  वाराणसी, उत्तरप्रदेश

सीएम साय बोले- छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई दीं। श्री साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने।

बनिया गांव के पास भीषण हादसा

दो बाइकों की भिड़ंत में पिता पुत्री और बेटे समेत 4 की मौत



हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा/ बेमेतरा

- मृतकों में पिता-पुत्री और 12 वर्षीय पुत्र शामिल

दो तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने भिड़ंत से बुधवार को दो परिवारों की खुशियां छीन ली। कबीरधाम और बेमेतरा जिले की सीमा पर स्थित रणवीरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बनिया के पास हुए भीषण सडक़ हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो पुरुषों के साथ एक 15 वर्षीय किशोरी और 12 वर्षीय बालक शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल थान खम्हरिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हादसा दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की टक्कर से हुआ। पहली मोटरसाइकिल एसपी शाइन में भूपेंद्र कश्यप (40), उनकी बेटी ऋतु कश्यप (15) और पुत्र पंकज कश्यप (12) सवार थे। तीनों बेमेतरा जिले के थान खम्हरिया थाना क्षेत्र के ग्राम ⏭शेष पेज 4 पर

गांव में शोक का माहौल

इस हादसे में सबसे हृदयविदारक पहलू यह रहा कि भूपेंद्र कश्यप के साथ उनकी बेटी और 12 वर्षीय बेटे की भी जान चली गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

कोलकाता-मुंबई की उड़ान

एअर इंडिया के विमान को हाईजैक की धमकी, हड़कंप



एजेंसी ⏭ कोलकाता

मुंबई के लिए बुधवार सुबह उड़ान भरने से पहले एअर इंडिया के एक विमान को अगवा करने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। इसे हवाई अड्डे के एक अलग-थलग स्थान पर ले जाया गया और निर्धारित सुरक्षा जांच शुरू की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 2772 निर्धारित प्रक्रिया के तहत जरूरी जांच पूरी होने के बाद शाम पांच बजकर 38 मिनट पर रवाना हुई। यह उड़ान पहले पूर्वाह्न करीब 10.30 बजे रवाना होने वाली थी। कोलकाता हवाई अड्डे के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि विमान के रवाना होने से ठीक पहले इसके शौचालय में एक नोट मिला, जिसमें पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट पर विमान का अपहरण करने की धमकी दी गई थी। विमान में सवार सभी 105 यात्रियों को नीचे उतार दिया गया और विमान को अलग जगह पर ले जाया गया। एक आधिकारिक ⏭शेष पेज 4 पर

संदेश लिखने वाले की तलाश

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान के टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश किसने लिखा और इसके पीछे कौन है। जांच के तहत एयरपोर्ट परिसर और विमान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां विमान की तलाशी और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं।

आइसोलेशन-बे में ले जाया गया विमान

घटना के बाद विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा कर्मियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। विमान के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि विमान में कोई खतरा मौजूद न हो।

उड़ान भरने से ठीक पहले मिला नोट

यह उड़ान सुबह 10:20 बजे रवाना होने वाली थी। कोलकाता हवाई अड्डे के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि उड़ान रवाना होने से ठीक पहले विमान के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें सुबह 11:10 बजे विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी।

आज से नई दरें

अमूल, मदर डेयरी ने दूध के दाम बढ़ाए दो से चार रुपए

नई दिल्ली। प्रमुख डेयरी कंपनियों अमूल और मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में दो से चार रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें गुरुवार से लागू होंगी। इन कंपनियों ने दूध की खरीद कीमतों में वृद्धि और ईंधन खर्च बढ़ने सहित उत्पादन लागत में इजाफे को इस वृद्धि का कारण बताया है। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ और मदर डेयरी ने इससे पहले इस साल मई में दूध की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

क्यों बढ़े दाम

मदर डेयरी ने कहा कि देश के कई हिस्सों में मानसून की असमान स्थिति से हरे और सूखे चारे की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पिछले एक साल में चारे की कीमतें 20 प्रतिशत तक और पशु आहार के दाम करीब 10 प्रतिशत बढ़े हैं। इससे डेयरी किसानों के लिए दूध की उत्पादन लागत बढ़ी है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ने किया धरमजयगढ़ सभा स्थल का निरीक्षण, 15 को आएंगे नितिन नवीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आगामी 15 नवंबर को होने जा रहे जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के लिए सभा स्थल का निरीक्षण किया। 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होंगे।

भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू, मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, महापौर जीवर्धन चौहान, ⏭शेष पेज 4 पर



इतिहास को याद करने का पर्व

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी श्रीमती ईरानी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे जनजातीय महापुरुषों, विशेषकर भगवान बिरसा मुण्डा के त्याग, बलिदान एवं गौरवशाली इतिहास को स्मरण करने का पर्व है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी ⏭शेष पेज 4 पर

कार्यकर्ताओं की ली बैठक

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी श्रीमती ईरानी ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। श्रीमती ईरानी ने उपस्थित अधिकारियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ⏭शेष पेज 4 पर

मुद्रा योजना के लिए अब ऋण गारंटी कोष मार्च-2031 तक

अब बैंक नहीं मांगेंगे गारंटी, सरकार खुद बनी मददगार!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को सूक्ष्म इकाइयों के लिए गठित ऋण गारंटी कोष को मार्च, 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। इससे अगले पांच साल में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 12.6 लाख करोड़ रुपए के ऋण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने इसके लिए 5,000 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी। यह योजना 16वें वित्त आयोग के कार्यकाल (2026-27 से 2030-31) के दौरान मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले सभी ऋण पर लागू होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए ⏭शेष पेज 4 पर

कैबिनेट के अन्य फैसले

- नोएडा में सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-4 तक मेट्रो रेल परियोजना पर मुहर
- रबी सत्र के लिए फॉस्फेटिक, पोटाश उर्वरक पर 62,370 करोड़ रुपए की सब्सिडी
- 'युगे युगीन भारत' संग्रहालय को विकसित करने की मंजूरी दी



स्पेशल फंड और उसका जादू

सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को रफ्तार देने के लिए 5,000 करोड़ रुपए का एक बड़ा फंड मंजूर किया है। आपको बता दें कि यह पैसा सीधे तौर पर लोन के रूप में लोगों में नहीं बांटा जाएगा, बल्कि यह एक 'गारंटी कवर' के रूप में काम करेगा। सरकार का अनुमान है कि इस 5,000 करोड़ रुपए की गारंटी के दम पर अगले पांच सालों में बैंक बिना किसी डर के लोगों को 12.6 लाख करोड़ रुपए तक के नए लोन बांट सकेंगे।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 31 मार्च, 2031 तक बढ़ाई

सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना को अगले पांच साल 31 मार्च, 2031 तक जारी रखने की बुधवार को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा पांच साल की अवधि में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

योजना के ये 3 बड़े फायदे

- **मुद्रा योजना में अब 20 लाख तक का लोन :** पहले प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अधिकतम 10 लाख रुपये तक का लोन मिलता था, जिसे अब बढ़ाकर सीधे 20 लाख रुपये कर दिया गया है। सरकार का यह गारंटी फंड इस पर पूरी सुरक्षा देगा।
- **जन धन खातों पर 10,000 रुपए की ओवरड्राफ्ट सुविधा :** जिन लोगों के पास प्रधानमंत्री जन धन योजना का खाता है, उन्हें जरूरत पड़ने पर बैंक से 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। इसकी गारंटी भी इसी फंड से कवर होगी।
- **महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को विशेष संबल :** गांवों और शहरों में जो महिलाएं या लोग स्वयं सहायता समूह बनाकर काम कर रहे हैं, उन्हें 10 से 20 लाख रुपए तक के लोन लेने पर इस गारंटी फंड का सीधा और बड़ा लाभ मिलेगा।

चिंतन

आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता जरूरी

कश्मीर घाटी में आतंकवाद एक बार फिर चुनौती दे रहा है। इसका चेहरा तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमा पार से घुसपैठ कर हमला नहीं करता, बल्कि देश के भीतर स्लीपर सेल भी तैयार करता है, स्थानीय मददगारों के जरिये साजिशों को अंजाम देता है और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक से सुरक्षा तंत्र को चुनौती देता है। साइबर नेटवर्क, एआई और मानवरहित हथियारों ने आतंकवाद के खतरे को और जटिल बना दिया है। सवाल है कि जब आतंक के तौर-तरीके इतने बदल रहे हैं तो हमारी सुरक्षा रणनीति कितनी बदली है? कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों पर हमला और एलओसी पर पाकिस्तान की एंटी-ड्रोन तैनाती इसी बदलती चुनौती के संकेत हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता बरतनी होगी। हाल ही की घटना में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर बाइक सवार हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी इस बात का संकेत है कि आतंकियों के मंसूबे अभी कमजोर नहीं पड़े हैं। महज 15 सेकेंड में करीब 30 राउंड फायरिंग कर तीन जवानों को घायल करने के बाद हमलावरों का फरार हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पार अपनी सैन्य तैयारियों को नए सिरे से धार देने में जुटा है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने एलओसी के सामने 50 से अधिक विशेष एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। नवंबर में ही 20 नई यूनिट शामिल किए जाने की सूचना है। इनका उद्देश्य भारतीय ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की निगरानी करना तथा उन्हें निष्क्रिय करना है। पाकिस्तान की इस तैयारी को केवल रक्षात्मक कदम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुलगाम की घटना और एलओसी के पार पाकिस्तान की सैन्य तैयारियों को अलग-अलग घटनाक्रम मानकर देखने के बजाय व्यापक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं होना और इनमें 45 जवानों का शहीद होना बताता है कि चुनौती कितनी गंभीर है। सुरक्षा बलों ने इस दौरान 138 आतंकियों को मार गिराया है, लेकिन आतंकवाद का नेटवर्क केवल आतंकियों को खत्म करने से समाप्त नहीं होता। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी सैन्य रणनीति में ड्रोन युद्ध को प्राथमिकता दी है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर की रणनीति में ड्रोन को रक्षा और हमले, दोनों की पहली पंक्ति का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके लिए चीन और तुर्किये से आधुनिक तकनीक हासिल करने के साथ एआई और निगरानी प्रणालियों पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे हालात में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति भी लगातार आधुनिक बनानी होगी। सीमा पर चौकसी, एंटी-ड्रोन प्रणाली, आधुनिक निगरानी उपकरण और खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। साथ ही, कुलगाम जैसे संवेदनशील इलाकों में तैनात जवानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों का मनोबल और आम नागरिकों का विश्वास बनाए रखना होगा। पाकिस्तान की बदलती सैन्य रणनीति और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए किसी भी स्तर पर आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ केवल जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐसी चौकस और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था चाहिए, जो दुश्मन के मंसूबों को हमला होने से पहले ही नाकाम कर दे। यही जवानों की सुरक्षा और देश की संप्रभुता की सबसे बड़ी गारंटी है।



आर्थिकी

प्रमोद भार्गव

दवा कारोबार में अनैतिकता पर अंकुश

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

दवाओं की कीमतें घटाने का यह फैसला स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत गठित की गई विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर 2026 को आई सिफारिश के बाद लिया है। डीजीएचएस के बयान के अनुसार अब तक 76 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1225 सूत्रीकरण (फॉर्मूलेशन) के लिए नए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जमा किए हैं। 1225 में से 1031 फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती की गई है। करीब 600 ब्रांड की दवाओं की कीमत में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। सबसे ज्यादा कटौती 96.45 प्रतिशत की गई है। वस्तुतः अब कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई असरकारी दवाओं की कीमतों में भारी कमी स्पष्ट दिख रही है। आरपीजी लाइफ साइंसेज की स्तन कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली कैप्सूल 'पैल्बोप्रो' (पैल्बोसिक्लिब 125 मिलीग्राम) की कीमत 40,421.33 रुपये से घटकर मात्र 2720 रुपये रह गई है। इसी तरह अरविंकेयर फार्मा की प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली टेबलेट एबीरोन (एबिराटेरॉन एसीटेट 250 मिलीग्राम) का मूल्य 41,250 रुपये से घटकर 3218.23 रुपये निर्धारित कर दिया है। यह भारी अंतर सभी दवाओं पर दिखाई दे रहा। सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया था। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा था। 2700 रुपये की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपये अंकित होने पर इसे न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो 'दिन-दहाड़े' डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को की गई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कत्लेआम' यानी 'सामूहिक-संहार' तक कहने में संकोच नहीं किया था। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती ? अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया था। कि आखिर 'इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है? 'यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेदारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। 137 दवाओं की दरें निर्धारित हो जाने से साफ हो गया है कि बड़ा घालमेल दवा उद्योग में चल रहा है। इस घालमेल पर अंकुश लगाने की दृष्टि से ही न्यायालय द्वारा 8 अक्टूबर 2026 को दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा



कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों, तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की हुई है। समिति को कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा का दायित्व दिया गया था। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा शामिल है। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की भी एक याचिका लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर फॉर्मूलेशन और नियमन के लिए दिशा-निर्देश भी तय कर दिए जाएं ताकि मौजूदा व्यवस्था में जो बड़ी असामानता है, वह दूर हो सके? इसके अंतर्गत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रविधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट अभी आनी है। सस्ती हुई 137 दवाओं में जो अंतर देखने में आया है, उससे साफ है कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर धन कमाने की हवस के चलते बाहर की जा रही हैं। सस्ती हुई दवाओं के अंतर ने तय कर दिया है कि दवा महंगी होने का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। नियमों के मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। यहां तक की नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। दरअसल, वर्तमान में दवा कारोबार मुनाफे की हवस की गिरफ्त में तो है ही, निजी चिकित्सालय उद्योग रोगी पैदा करने और रोगी बनाए रखने का काम भी कर रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे रोगी की सेवा के बनिस्वत दवा कारोबार की सेवा में लिप्त हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि चिकित्सक ज्ञान तो निश्चित रूप से उच्च चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त करते हैं, लेकिन चिकित्सक बनने के बाद उनके इस ज्ञान का अपहरण दवा उद्योग कर लेते हैं। अतएव ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से ? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

> सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502 .31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुत: कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अतत: यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न हो

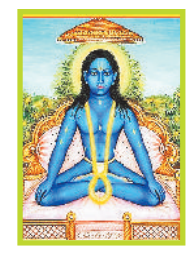


संकलित

दर्शन

यजमान को देश-काल के सातत्य में उसके जन्म के नक्षत्र, जन्म राशि, पैतृक वंश, गोत्र, पूरा नाम, पिता का नाम आदि द्वारा भी परिभाषित किया जाता है। इसके बाद यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। वस्तुतः संकल्प कभी लिया नहीं जाता, बल्कि उसे छोड़ दिया जाता है या भगवान के चरणों में समर्पित कर दिया जाता है। जब यजमान पूर्ण विश्वास के साथ अपना संकल्प देवत्व के चरणों में छोड़ देता है कि जो भी उसके लिए सही होगा, वह अवश्य होगा, वह पूजा में बैठने के योग्य हो जाता है। पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न होती है। जब आप अपनी सभी इच्छाओं, सभी परेशानियों और शिकायतों को दिव्यता के चरणों में छोड़ देते हैं, तभी आप परिपूर्ण प्रतीत कर सकते हैं। तभी आप पूजा में बैठने लायक बन सकेंगे। तभी आप पूजा का हिस्सा बन सकते हैं। रुद्र पूजा में शिव-तत्व का उसकी पूरी भव्यता के साथ आह्वान किया जाता है। भक्त मंत्रों की तरंगों में डूब जाते हैं। मन ध्यान की अवस्था में पहुंच जाता है। संपूर्ण वातावरण शिव-तत्व से आवेशित हो जाता है। भक्त शिव-तत्व के साथ एक हो जाते हैं। शिव वह परोपकारी ऊर्जा हैं, जो परिवर्तन करती है और बाधाओं को दूर करती है। संकल्प आसानी से सर्वव्यापी दिव्यता तक संप्रेषित हो जाते हैं और उस सर्वव्यापी, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान दिव्यता के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। सभी हितकारी मनोरथ फलदायी होते हैं। सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। जीवन गतिमान होता है।

जब मन अशांत हो, अपने इष्टदेव का जप करें



संकलित

प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

विश्व निमोनिया दिवस

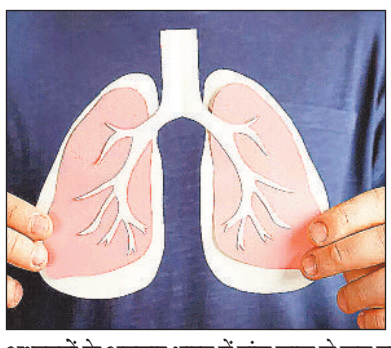
बाल मुकुन्द ओझा



केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, रहें अलर्ट

विश्व निमोनिया दिवस हर साल 12 नवम्बर को लोगों को निमोनिया जैसी गंभीर सांस संबंधी बीमारी के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों को पहचानने, समय पर इलाज कराने और बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए मनाया जाता है। इस साल, 2026 में, विश्व निमोनिया दिवस की थीम निमोनिया नियंत्रण का एक नया युग रखी गई है। यह थीम निमोनिया से होने वाली उन मौतों को कम करने में टीकों, जांच के साधनों और इलाज के तरीकों में हुई प्रगति के महत्व को उजागर करती है, जिन्हें रोका जा सकता है। यह जीवन बचाने वाले इन उपायों तक समान पहुंच की वकालत करती है, खासकर उन बच्चों और वंचित समुदायों के लिए जो अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 5 साल से कम उम्र के 14 लाख बच्चों की मौत निमोनिया के कारण होती है। यह दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों का 18 प्रतिशत है। यूनिसेफ के अनुसार, हर 39 सेकंड में एक बच्चे की मौत निमोनिया से होती है।

अनुमान है कि 50 साल से अधिक उम्र के वयस्कों में निमोनिया से होने वाली 16 लाख मौतें, वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निमोनिया आज भी बच्चों में संक्रामक बीमारी से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण है। इस अवसर पर दुनियाभर में निमोनिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। खासतौर पर बच्चों में निमोनिया की रोकथाम को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि पांच साल से कम उम्र के बच्चे इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 14 से 26 फीसदी मौतें निमोनिया के कारण होती हैं। देश में इस आयु वर्ग के लगभग 14.9 फीसदी बच्चों की मौत का कारण निमोनिया है। कुछ आंकड़ों में यह अनुपात 18 फीसदी तक पाया गया है। यह आंकड़े वास्तव में चिंताजनक हैं। भारत में मौसम बदलते ही बीमारियों का खतरा मंडराने लगता है। इनमें निमोनिया प्रमुख है। अस्पतालों में लम्बी लम्बी कतारें लग जाती है। इस समय गर्मी के विदाई का वक्त है। सर्दी की आहट के साथ ही बच्चे से बुजुर्ग तक को अपनी सेहत की चिंता सताने लगती है। इस समय मौसम भी अजब-गजब है। कहीं पंखे चल रहे हैं तो कहीं एयर कंडीशनर भी। लोगों ने गर्म कपडे.निकाल लिए है। पंखा आदि चलाकर कम्बल का उपयोग करते देखा जा सकता है। दिवाली पर प्रदूषण की मार भी लोग झेल रहे है। इसी बीच सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी अनचाही बीमारियां बढ़ने लगी हैं। सर्द मौसम में निमोनिया का खतरा भी चिंता का विषय बन जाता है। निमोनिया फेफड़ों में होने वाला संक्रमण है, जिसके कारण फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में सूजन आ सकती है और उनमें तरल पदार्थ या मवाद भर सकता है। इससे मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को इस बीमारी से अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक निमोनिया से निपटने के लिए केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि टीकाकरण, शुरुआती पहचान, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की उपलब्धता भी जरूरी है। निमोनिया कोई छोटी-मोटी बीमारी नहीं है। निमोनिया फेफड़ों में असाधारण तौर पर सूजन आने के कारण होता है। इसमें फेफड़ों में पानी भी भर जाता है। आमतौर पर निमोनिया कई कारणों से होता है जिनमें प्रमुख हैं बैक्टीरिया, वायरस, फंगी या अन्य कुछ परजीवी। इनके अलावा कुछ रसायनों और फेफड़ों पर लगी चोट के कारण भी निमोनिया होता है। बैक्टीरिया जनित निमोनिया दो से चार सप्ताह में ठीक हो सकता है। इसके विपरीत वायरल जनित निमोनिया ठीक होने में अधिक समय लेता है।



(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन



आज की पाती

एथेनॉल की खूबियों के बावजूद चिंताएं बरकरार

देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया है, जबकि देश में एथेनॉल को लेकर पूर्व में हंगामा भी बहुत हुआ था। लिहाजा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-100 ईंधन से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। यह फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस नई व्यवस्था को केवल हरित क्रांति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ वाहनधारकों की आर्थिक स्थिति, वाहनों की तकनीकी क्षमता, ईंधन की उपलब्धता और रखरखाव से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना जरूरी है। *-कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

शतरंज में शतक

भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवात्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। - **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री



उत्पादन का रिकॉर्ड

भारत ने उत्पादन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। चावल के उत्पादन में हम दुनिया में पहले नंबर पर आ गए हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश भी बन गया है। आज, देश में रिकॉर्ड 377 मीट्रिक टन अनाज और 378 मीट्रिक टन फल व सब्जियों का उत्पादन हो रहा है।
- **शिवराज सिंह चौहान,** केंद्रीय कृषिमंत्री



अत्यंत दुःखद

पाली में एक दुकान में लगी आग के धुएं से दम घुटने के कारण कांग्रेस पार्षद उषा पुनामिया, उनके पति प्रकाश पुनामिया और उनके बड़े भाई गौतम के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।
-**अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान



नई रामायण

नई रामायण देखी। इसमें न तो कोई दिव्यता दिखी और न ही भक्ति का भाव। कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं, और कई दृश्यों के संवादों में वह गरिमा नहीं है जो ऐसी फिल्म में होनी चाहिए। रावण का काफी महिमामंडन किया गया है।
- **सुनील लहरी,** अभिनेता



करंट अफेयर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण बेलफास्ट में विशेष कार्यक्रम

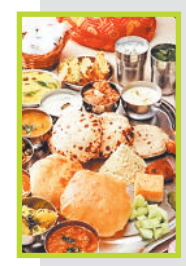
'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास में ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों के 60 से अधिक संगीतकारों ने एक विशेष संगीत कार्यक्रम पेश किया। बेलफास्ट स्थित टोकाटा म्यूजिकल्स प्रोडक्शंस के सहयोग से तैयार राष्ट्रगीत की यह संगीत प्रस्तुति पिछले सप्ताह ऑनलाइन जारी की गई। भारतीय वाणिज्य महादूतावास ने बताया कि इसमें शामिल संगीतकारों का भारत, उसकी संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिकता और संगीत विरासत से व्यक्तिगत जुड़ाव है। ब्रिटेन के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास देश के नए वाणिज्य दूतावासों में से एक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल मार्च में इसका उद्घाटन किया था। बेलफास्ट में भारत की महावाणिज्यदूत किरण खत्री ने कहा, 'बेलफास्ट में भारत के पहले महावाणिज्य दूतावास की स्थापना भारत और उत्तरी आयरलैंड के संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उत्तरी आयरलैंड के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और संस्कृति, शिक्षा, व्यापार तथा लोगों के बीच संपर्क के माध्यम से मजबूत संबंध बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' इस परियोजना में संगीतकारों ने 'वंदे मातरम' के सम्मान में स्वेच्छा से अपना समय दिया।



ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है : कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का



असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है : भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

हमारा पता

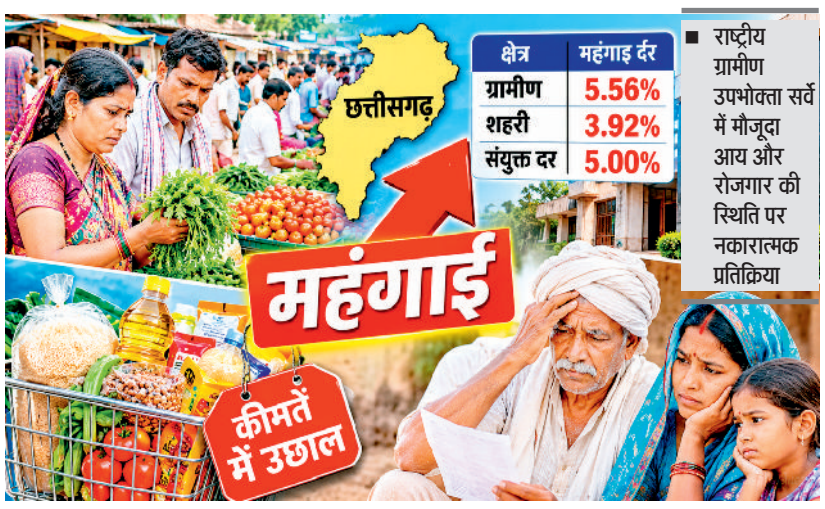
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

छत्तीसगढ़ के गांवों में राज्य के शहरों के मुकाबले महंगाई अधिक है। यह तथ्य केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की रिपोर्ट से सामने आया है। राज्य में ग्रामीण महंगाई दर 5.56 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.92 प्रतिशत रही। दोनों के बीच 1.64 प्रतिशत अंक का अंतर है।



- राष्ट्रीय ग्रामीण उपभोक्ता सर्वे में मौजूदा आय और रोजगार की स्थिति पर नकारात्मक प्रतिक्रिया

छत्तीसगढ़ के गांव में शहरों से ज्यादा महंगाई आय और रोजगार का भरोसा भी हुआ कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

इसी अवधि में राज्य की संयुक्त खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत रही। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक के सितंबर 2026 के ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वे में देश के ग्रामीण और अर्धशहरी परिवारों ने मौजूदा आय और रोजगार की स्थिति को लेकर कमजोर भरोसा जताया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई का दबाव अधिक

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की अक्टूबर में जारी सितंबर की सीपीआई रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महंगाई 5.56 प्रतिशत और शहरी महंगाई 3.92 प्रतिशत रही। राज्य की संयुक्त महंगाई दर 5 प्रतिशत दर्ज की गई। ये आंकड़े सितंबर 2025 की तुलना में कीमतों में हुई वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। आंकड़े फिलहाल अनंतिम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सितंबर 2026 में ग्रामीण महंगाई 6.08 प्रतिशत, शहरी महंगाई 4.88 प्रतिशत और संयुक्त महंगाई 5.54 प्रतिशत रही। इस लिहाज से छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महंगाई राष्ट्रीय ग्रामीण दर से कम है, लेकिन राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों के मुकाबले महंगाई का दबाव अधिक बना हुआ है।

रोजगार पर ये बात आई सामने

रोजगार की स्थिति के मामले में 29.6 प्रतिशत लोगों ने सुधार, 30.4 प्रतिशत ने कोई बदलाव नहीं और 40 प्रतिशत ने बिगड़ने की बात कही। रोजगार का नेट रिस्पॉन्स -10.5 रहा। इसका अर्थ है कि रोजगार और आय के बारे में नकारात्मक अनुभव बताने वाले उत्तरदाताओं का अनुपात सकारात्मक अनुभव बताने वालों से अधिक था। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये आंकड़े परिवारों की धारणा और अनुभव को दर्शाते हैं, न कि वास्तविक आय में हुई वृद्धि या गिरावट का प्रत्यक्ष सरकारी मापन।

खर्च बढ़ने के बावजूद कीमतों को लेकर चिंता

सर्वे में 82.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने कुल खर्च में वृद्धि, 14.8 प्रतिशत ने कोई बदलाव और 2.8 प्रतिशत ने कमी बताई। आवश्यक वस्तुओं पर खर्च बढ़ने की बात 86.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कही। हालांकि खर्च में वृद्धि को केवल बेहतर आर्थिक स्थिति का संकेत नहीं माना जा सकता। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने के कारण भी परिवारों का खर्च बढ़ सकता है। यही वजह है कि आय, रोजगार और कीमतों के बारे में प्रतिक्रियाओं को साथ में देखना जरूरी है। सर्वे में ग्रामीण और अर्धशहरी परिवारों की मौजूदा महंगाई धारणा 6.8 प्रतिशत रही, जबकि अगले एक वर्ष के लिए महंगाई की अपेक्षा 7.9 प्रतिशत दर्ज की गई। ये परिवारों की महंगाई संबंधी धारणाएं हैं, वास्तविक सीपीआई महंगाई दर नहीं।

सीआरपीएफ की जांच चौकी पर गोलीबारी, 15 सेकंड में 30 राउंड फायरिंग

कश्मीर में आतंकी फिर उठा रहे सिर, हमले में तीन जवान घायल

कश्मीर में आतंकी फिर सिर उठा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी। आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें हमलावर 15 सेकंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं।



एजेंसी ⏭ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को मोटरसाइकिल सवार दो आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जांच चौकी पर गोलीबारी की, जिसमें तीन जवान घायल हो गए और इनमें से एक की हालत गंभीर है। हमले को लेकर गृह मंत्रालय में एक हाईलेवल मीटिंग ली, जहां सीआरपीएफ के डीजी अधिकारियों को जरूरी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने फरार हुए हमलावरों की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर दिया है।

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ली उच्च स्तरीय बैठक

तीन को लगी गोली

- राकेश दास, पिता अरुण दास, निवासी असम, पैर में गोली लगी है। हालत स्थिर है।
- संतोष चंद्र, पिता महावीर, निवासी पश्चिम बंगाल, पेट और रीढ़ की हड्डी में गोली लगी है। हालत गंभीर है।
- सोमवीर सिंह, पिता महावीर, निवासी मध्य प्रदेश, बाएं हाथ में गोली लगी है। हालत स्थिर है।



हमले में आतंकी लतीफ भट का हाथ होने का शक

कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादी लतीफ भट के कुलगाम हमले में शामिल होने का शक है। वह हमले वाली जगह से कुछ किलोमीटर दूर ही रहता है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, लतीफ भट दक्षिण कश्मीर में हुए दो हमलों में भी शामिल था। इनमें एक हमला अनंतनाग के लाल चौक इलाके में और दूसरा कुलगाम जिले में हुआ था।

छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की जुलाई में हुई थी हत्या

गत 31 जुलाई को कुलगाम में एक ईंट भट्ठे पर हुए आतंकवादी हमले में छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की हत्या कर दी गई थी। जुलाई में ही आतंकवादियों ने पड़ोसी अनंतनाग शहर में एक पुलिसकर्मी की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी कुलगाम में मौजूद थे, लेकिन वह हमले वाली जगह के निकट नहीं थे। यह इलाका पीर पंजाल पर्वतमाला के नजदीक स्थित है।

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के नाके पर हुए आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इस फुटेज में सीआरपीएफ के दो जवान ड्यूटी पर मौजूद नजर आ रहे हैं। आसपास से गाड़ियों की आवाजाही भी हो रही है।

4 दिन पहले आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर से आतंकियों की मदद करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ये लोग आतंकी मॉड्यूल के जरिए महिलाओं को निशाना बनाते थे और अलगाववादी विचारधारा और प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा था।

गीदम में दो करोड़ के सोना-चांदी की लूट का सच, कर्ज से बचने खुद रची साजिश

- 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगालने और 16 घंटे की नाकेबंदी के बाद खुला राज
- तीनों मोबाइल एक साथ सुरक्षित मिले, पुलिस की पूछताछ में व्यापारी ने कबूली मनगढ़ंत कहानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

अलग खबर

नेलसनार थाना क्षेत्र के पांडेमुर्गा चौक के पास नेशनल हाईवे-63 पर करीब दो करोड़ के सोने-चांदी और नकदी की कथित लूट का मामला पुलिस जांच में फर्जी निकला। कर्ज के बोझ और लगातार हो रही वसूली के दबाव से बचने गीदम के एक ज्वेलरी व्यापारी ने लूट की मनगढ़ंत कहानी रच दी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच और करीब 16 घंटे की लगातार नाकेबंदी के बाद मामले की सच्चाई उजागर की। पूछताछ में व्यापारी ने कथित लूट की सूचना को झूठा बताया और इसमें अपने साथियों को भी शामिल करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार 9 नवंबर को गीदम निवासी सोना-चांदी व्यापारी स्वरूप सोनी ने नेलसनार थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वह भैरमगढ़ स्थित अपनी ज्वेलरी दुकान से तूफान ⏭शेष पेज 4 पर



एसपी ने गठित की तीन विशेष टीमें

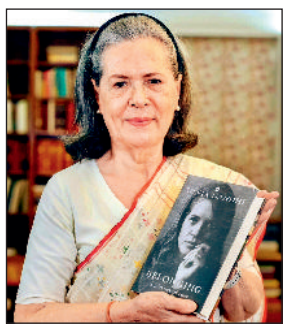
मामले की गंभीरता को देखते हुए बीजापुर एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने तत्काल तीन विशेष पुलिस टीमों का गठन किया। आसपास के सीमावर्ती जिलों और राज्य की सीमाओं पर नाकेबंदी कराई। एसपी स्वयं पूरे ऑपरेशन की निगरानी करते रहे। पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा करीब 16 घंटे तक लगातार जांच और नाकेबंदी जारी रखी।

तीनों मोबाइल एक साथ सुरक्षित मिलने से गहराया संदेह

जांच के दौरान कथित रूप से लूटे गए तीनों मोबाइल फोन की लोकेशन हाईवे किनारे जंगल में मिली। पुलिस ने मौके से तीनों मोबाइल एक ही स्थान पर सुरक्षित और चालू हालत में बरामद किए। इस घटनाक्रम ने पुलिस का संदेह बढ़ा दिया। इसके बाद तीनों कथित पीड़ितों से अलग-अलग पूछताछ की गई। तकनीकी साक्ष्यों और बयानों में विरोधाभास सामने आने पर पुलिस ने जांच की दिशा बदलकर व्यापारी की आर्थिक स्थिति और पृष्ठभूमि की पड़ताल शुरू की। जांच में सामने आया कि व्यापारी पर काफी कर्ज था और कर्ज चुकाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस की पूछताछ में स्वरूप सोनी ने कथित लूट की कहानी को मनगढ़ंत बताते हुए स्वीकार किया कि कर्ज से बचने के लिए उसने यह झूठी सूचना दी थी। पुलिस के अनुसार उसने वाहन चालक और साथ मौजूद कपड़ा व्यापारी को भी इस कहानी में शामिल किया था।

आत्मकथा में किया खुलासा

हेराल्ड मामले पर सोनिया ने कहा- एक पैसा भी नहीं लिया



नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में दावा किया है कि अखबार को फिर से पटरी पर लाने की प्रक्रिया में उन्होंने, राहुल गांधी तथा इससे जुड़े अन्य लोगों ने एक पैसा भी नहीं लिया, इसके बावजूद उनके खिलाफ ⏭शेष पेज 4 पर

...जब करुणानिधि को किया फोन

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के गठन को लेकर द्रमुक प्रमुख एम. करुणानिधि से गठबंधन की बातचीत शुरू करने के लिए पहली बार फोन करते समय वह घबराई हुई थीं और कांप रही थीं। उनके लिए द्रमुक के साथ हाथ मिलाने का फैसला व्यक्तिगत रूप से सबसे कठिन था, क्योंकि 1991 में लिट्टे के कुछ समर्थकों ने उनके पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या की थी।

वांगचुक ने दी फिर प्रदर्शन की चेतावनी



नई दिल्ली। लद्दाख में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने इस मामले में केंद्र सरकार से दखल देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों और चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। यह विवाद ऐसे समय में बढ़ा है, जब प्रशासन ने लेह और कारगिल में चुनाव की आचार संहिता लागू होने तक राजनीतिक रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगा दी है। बता दें कि, लद्दाख में चुनावी प्रक्रिया 21 नवंबर से शुरू होगी। इस दिन लेह और कारगिल की नगर समितियों और पंचायतों के लिए मतदान कराया जाएगा।

पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतरे

डिरेल हुई सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस, 4 घायल

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी के पास डिगारू में बुधवार सुबह सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन के पटरी से उतरने की घटना में चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। हम इस घटना को लेकर रेल मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, फंसे हुए सभी यात्रियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं और उनकी आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की गई है।



वायरल हुआ वीडियो

इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें चालक इंजन में लगे उपकरणों को संभालते हुए यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि उनमें से कोई भी काम नहीं कर रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सुबह छह बजकर 54 मिनट पर यह ट्रेन पटरी से उतर गई। रेल प्रवक्ता ने कहा कि बचाव अभियान चलाने और पटरियों से क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने के लिए एक राहत ट्रेन घटनास्थल पर भेजी गई है। इस खंड पर रेलगाड़ियों का सामान्य परिचालन अब बहाल कर दिया गया है।

वित्त मंत्रालय की सलाह

सरकारी बेड़े में होंगे अब इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से कर्मचारियों के लिए कार खरीदते समय इलेक्ट्रिक वाहन को सामान्य और प्राथमिक विकल्प बनाने को कहा है। इलेक्ट्रिक कार की खरीद के लिए 20 लाख रुपए की कीमत सीमा तय की गई है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और बाजार में मौजूदा कीमतों तथा वाहनों की पूरी उपयोग अवधि की लागत को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक इंजन वाले वाहनों की खरीद के लिए शुद्ध डीलर कीमत की सीमा में बदलाव किया जा रहा है।



ऐसे निर्देश

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस तरह का प्रस्ताव संबंधित मंत्रालय या विभाग के सचिव की मंजूरी और वित्तीय सलाहकार की सहमति के बाद भेजा जा सकता है। मंत्रालयों और विभागों को इलेक्ट्रिक वाहनों को किराये पर लेने के संबंध में 2022 के दिशानिर्देशों का पालन भी जारी रखना होगा। यदि किसी मामले में पेट्रोल या डीजल वाहन किराये पर लेना जरूरी माना जाता है, तो इसके लिए भी छूट का प्रस्ताव व्यय विभाग को भेजना होगा।



अगर आपको डायबिटीज है तो इसके कुछ लक्षण आपके हाथ और पैर में भी दिख सकते हैं। इन लक्षणों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। इससे आपको इसकी पहचान करने में हेल्प मिलेगी।

वर्ल्ड डायबिटीज डे
14 नवंबर, स्पेशल

बदलती जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतों और एक्सरसाइज या शारीरिक सक्रियता की कमी के कारण हाल के वर्षों में देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसी समस्या से बचाव के लिए आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, डायबिटिक पेशेंट्स क्या सावधानी बरतें और इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं, इन सभी के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

हाथ-पैर में भी दिखते हैं डायबिटीज के लक्षण

प्रिकॉशन
रजनी अरोड़ा



हालांकि डायबिटीज को कई लक्षणों से पहचाना जा सकता है। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे भी हैं, जो पेशेंट के हाथ-पैर में दिखाई पड़ते हैं। इनके बारे में आपको सजग रहना चाहिए।

पैरों में डायबिटिक लक्षण: डायबिटीज में पैर सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। शरीर में पैर, दिल से सबसे दूर होते हैं, वहां की नसें सबसे लंबी और बारीक होती हैं। गाढ़ा खून और ग्लाइकेशन बारीक नलियों को क्षतिग्रस्त करते हैं, जिससे पैरों तक ऑक्सीजन और पोषण कम पहुंचता है और घाव भरना मुश्किल हो जाता है। शुगर, नसों की सुरक्षा परत (मायलिन शीथ) को कमजोर कर देती है, जिससे दिमाग तक संदेश ठीक से नहीं पहुंचते और डायबिटिक न्यूरोपैथी की स्थिति आ जाती है। इससे कई लक्षण दिख सकते हैं।

झुनझुनी महसूस होना: ऐसा लगना जैसे तलवों या अंगुलियों पर चींटियां चल रही हों। शुरुआत में यह लक्षण आता-जाता रहता है, इसलिए लोग इसे थकान, बैठने से पैर सोना या विटामिन की कमी समझकर टाल देते हैं। यह नसों के क्षतिग्रस्त होने का सबसे शुरुआती संकेत है।



सुई जैसी चुभन: तलवों में जलन, सुई जैसी चुभन या अचानक बिजली के झटके जैसा एहसास। यह अकसर रात में बढ़ जाता है। जब नसें खराब होने लगती हैं।

चादर के वजन से भी दर्द: रात को पैरों पर हल्की चादर रखने से भी दर्द या जलन हो, तो यह संकेत बताता है कि नसें प्रभावित हैं।

सुन्नपन: पैरों में छूने का एहसास कम हो जाना, जैसे मोजे पहने हों या जमीन महसूस न हो। यह सबसे खतरनाक अवस्थाओं में से है, क्योंकि जब दर्द महसूस नहीं होता, तो चोट, कंकड़, जूते की रगड़ या छाले का पता ही नहीं चलता। छोटी चोट बड़ा घाव बन सकती है।

घाव का ठीक न होना: पैर का कोई कट या छाला 10-12 दिन बाद भी न भरे, लाल रहे या उससे पानी निकले, तो यह खतरे की घंटी है। ज्यादा शुगर, श्वेत रक्त कोशिकाओं को सुस्त कर देती है और बैक्टीरिया को पनपने का मौका देती है। सुन्नपन के साथ यह मिलकर पैर के अल्सर का कारण बन सकता है, जो गंभीर मामलों में संक्रमण फैलने और अंग काटने तक का रिस्क हो सकता है।

सूखी त्वचा-फटी एड़ियां: नसों के खराब होने से पसीना आना कम हो जाता है, जिससे पैरों की त्वचा बहुत रूखी हो जाती है और एड़ियां गहरी फटने लगती हैं।

त्वचा के रंग में बदलाव: पैरों और टखनों पर त्वचा का पतला, चमकदार या भूरा-काला पड़ना, पैरों के बाल झड़ना और पैर ठंडे रहना खून के कम बहाव के संकेत हो सकते हैं।

हाथों में डायबिटिक लक्षण: डायबिटीज होने के कुछ लक्षण हाथों में भी दिखते हैं। अंगुलियों के जोड़ों की त्वचा बाकी हाथ से ज्यादा काली, मोटी, मखमली या खुरदरी दिख सकती है, तो यह टैनिंग या गंदगी नहीं, इंसुलिन रेजिस्टेंस का संकेत है। इंसुलिन ज्यादा होने पर वह त्वचा की कोशिकाओं को तेजी से बढ़ने का सिग्नल देता है। ऐसे निशान गर्दन, बगल और जांघों में भी दिख सकते हैं।

त्वचा पर टैग्स बनना: गर्दन, पलकों, बगल और अंगुलियों के आस-पास त्वचा की छोटी-छोटी लटकन जैसी संरचनाएं बनने को स्किन टैग्स कहते हैं। इनकी संख्या तेजी से बढ़ना इंसुलिन रेजिस्टेंस से जुड़ा हो सकता है।

बढ़ी डायबिटीज के संकेत: दोनों हथेलियां प्रार्थना की मुद्रा में जोड़ने पर अगर अंगुलियों या हथेलियों के बीच खासकर छोटी अंगुली के पास गैप दिखे, तो इसे नजरअंदाज न करें। इसे डायबिटिक हैंड सिंड्रोम भी कहते हैं।

अंगुलियों का अकड़ना: सुबह उठने पर मुट्ठी बनाने या अंगुलियां सीधी करने में परेशानी होना, अंगुली का मुड़कर अटक जाने को ट्रिगर फिंगर कहते हैं। यह भी डायबिटीज का लक्षण हो सकता है। *

(डायबिटीज एक्सपर्ट-डॉ. संजय कालरा से बातचीत पर आधारित)

डायबिटीज से बचाव के लिए बनें सजग-रहें सुरक्षित

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. धीरज कपूर
एचओडी-एंडोक्राइनोलॉजी
ऑर्टिमिज हॉस्पिटल, गुरुग्राम



भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों की गंभीरता का अंदाजा वर्ष 2025 में जारी डायबिटीज एटलस की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार भारत में 20 से 79 वर्ष की आयु के लगभग 9 करोड़ लोग इस समस्या से पीड़ित थे। इसके अलावा लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की स्थिति में थे। प्री-डायबिटीज वह शारीरिक अवस्था है, जिसमें जब ब्लड में शुगर लेवल सामान्य से थोड़ा अधिक होता है, लेकिन वह डायबिटीज की स्थिति तक नहीं पहुंचता। ऐसे लोगो में भविष्य में डायबिटीज होने की आशंका बनी रहती है। इन आंकड़ों की गंभीरता को समझते हुए अगर स्वस्थ लोग भी शुरू से ही अपनी सेहत के प्रति सजगता बरतें तो आसानी से डायबिटीज की समस्या से बचाव संभव हो पाएगा।

क्यों बढ़ रही है समस्या

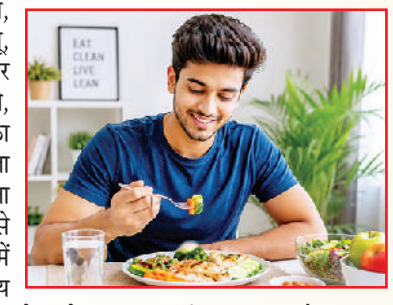
पिछले दो से तीन दशकों में लोगों की जीवनशैली पूरी तरह बदल गई है। पहले लोग रोजमर्रा के सारे काम-काज खुद करते थे, शारीरिक श्रम उनकी दिनचर्या में शामिल था, इसलिए हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहते थे। लेकिन समय के साथ सभी कार्यों के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल होने लगा, इससे पहले की तुलना में जिंदगी ज्यादा आरामदेह हो गई और लोगों के समय की बचत होने लगी, लेकिन कुछ वर्षों के बाद लोगों की सेहत पर इसका बुरा असर नजर आने लगा। लगातार लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठकर काम करना, मिठाइयों, कोल्ड ड्रिंक्स और जंक फूड का अधिक मात्रा में सेवन करना, छोटी दूरी तक जाने के लिए भी पैदल के बजाय वाहन का इस्तेमाल करना, एक्सरसाइज न करना, सीढ़ियों के बजाय लिफ्ट का इस्तेमाल, ऐसी आदतों के कारण व्यक्ति जो भी खाता है, उससे बनने वाली कैलोरी बर्न होने के बजाय शरीर में जमा होने लगती है, जिससे पेट के आस-पास चर्बी एकत्र हो जाती है और व्यक्ति का वजन बढ़ने लगता है। ऐसी जीवनशैली इंसुलिन रेजिस्टेंस के खतरे को बढ़ा देती है। इसके अलावा देर रात तक मोबाइल पर रील्स देखने की आदत से होने वाली अनिद्रा की समस्या, अति व्यस्त दिनचर्या के कारण पैदा होने वाला तनाव और इस बीमारी की फैमिली हिस्ट्री यानी आनुवंशिकता जैसे कारणों से आजकल हर आयुवर्ग के लोगों में इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगे हैं और इसके मरीजों की तादाद तेजी से बढ़ने लगी है।

कैसे पहचानें लक्षणों को

बार-बार गला सूखना, प्यास लगना, रात में टॉयलेट जाने के लिए कई बार नींद खुलना, ज्यादा भूख लगना, बेवजह थकान और सुस्ती महसूस होना, दृष्टि में धुंधलापन, पैरों में झनझनाहट, ज्यादा भूख लगना, बिना डाइटिंग या एक्सरसाइज के वजन का लगातार घटना जैसे लक्षण दिखाई दें तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। कई बार शुरुआती दौर में डायबिटीज टाइप-2 के कोई लक्षण नजर नहीं आते। इसलिए अगर कोई समस्या न हो तो भी हर तीन-चार महीने के अंतराल में शुगर लेवल की जांच कर लेनी चाहिए। अगर सुबह खाली पेट शुगर लेवल 130 से ज्यादा और खाने के 2 घंटे के बाद 180 से अधिक हो तो यह इस बात का संकेत है कि व्यक्ति को डायबिटीज की समस्या है। इसी तरह अगर किसी व्यक्ति का एचबीए1सी (हर तीन महीने के अंतराल पर की जाने वाली वाली शुगर लेवल की जांच) 5.7 से 6.4 के बीच हो तो उसे प्री-डायबिटिक की श्रेणी में रखा जाता है, यानी यदि समय रहते खान-पान और दिनचर्या में सुधार नहीं लाया गया तो ऐसे व्यक्ति को यह बीमारी बहुत आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकती है। अगर किसी व्यक्ति का एचबीए1सी 6.5 से अधिक हो तो उसे डायबिटिक माना जाता है। ऐसी स्थिति में नियमित रूप से एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से जांच कराने के साथ उसके सभी निर्देशों का पालन करना जरूरी हो जाता है।

डायबिटिक पेशेंट्स रखें ध्यान

डायबिटीज के मरीजों को अपने भोजन में मिलेट्स यानी ज्वार, बाजरा, रागी, सावां और कंगनी जैसे मोटे अनाजों को प्रमुखता से शामिल करना चाहिए। सिट्रस यानी संतरा, मौसंबी, नीबू और चकोतरा जैसे खट्टे फलों का सेवन भी फायदेमंद होता है। ऐसे मरीजों को जूस पीने के बजाय सीधे फलों का सेवन करना चाहिए क्योंकि फलों का जूस तेजी से शुगर लेवल को बढ़ा देता है। हरी पत्तेदार सब्जियों, दालों, स्प्राउट्स, सत्तू, बादाम, अखरोट और अलसी, कद्दू, खरबूजे, सूरजमुखी के बीजों का सेवन भी फायदेमंद होता है। आम, लीची, केला और चीकू जैसे फलों से दूर रहें। एक ही बार में ज्यादा खाने के बजाय हर 2 घंटे के अंतराल पर थोड़-थोड़ा खाएं। मल्टी ग्रेन आटे की रोटियां और ब्राउन राइस का सेवन करें। चावल उबालने के बाद उसका मांड निकालकर फेंक दें। नियमित रूप से योग, एक्सरसाइज के अलावा रोजाना सुबह-शाम आधे घंटे तक वॉक जरूर करें। संतुलित डाइट और शारीरिक गतिविधियों से बढ़ते वजन को नियंत्रित रखें। डॉक्टर की सलाह के बिना अपने मन से दवा की खुराक में कोई बदलाव न लाएं। ऐसे मरीजों में कई बार अचानक शुगर लेवल घट जाता है, ऐसी स्थिति से उबरने के लिए मरीज को अपने पास टॉफी रखनी चाहिए।।



कई अंगों पर पड़ता है दुष्प्रभाव

- पैरों की नसों में सुन्नपन, झनझनाहट और दर्द, कई बार एड़ियां बुरी तरह फटने लगती हैं।
- ऐसे मरीजों के हार्ट की धमनियों में बैड कोलेस्ट्रॉल जमा होता है, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।
- आंखों का रेटिना प्रभावित होता है और इससे अचानक आंखों की दृष्टि कम होने लगती है।
- किडनी की कार्यक्षमता कमजोर पड़ने जाती है, इससे किडनी से प्रोटीन का लीकेज होने लगता है और गंभीर स्थिति में किडनी फेल्योर की भी समस्या हो सकती है।
- गला सूखने और मसूड़ों में संक्रमण की भी आशंका बनी रहती है।
- त्वचा पर अनावश्यक रूखापन या सिरोसिस जैसे लक्षण दिखते हैं।
- अगर त्वचा पर कोई भी खरोंच या चोट लग जाए तो उससे बनने वाले घाव को भरने में ज्यादा समय लगता है। इसलिए ऐसे किसी भी लक्षण को मामूली समझकर अनदेखा न करें। अगर इनमें से कोई भी लक्षण नजर आए तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

स्वस्थ व्यक्ति ऐसे करें बचाव

अगर आपका शुगर लेवल सामान्य है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप असंतुलित खान-पान और अनियमित दिनचर्या अपनाएं। भविष्य में ऐसी समस्या से बचाव के लिए अभी से ही आपकी कोशिश यही होनी चाहिए कि आप अपनी डाइट में चीनी का इस्तेमाल कम से कम करें। घी, तेल, चीनी, मैदा और जंक फूड से दूर रहें। सादा और संतुलित खान-पान अपनाएं। आपकी डाइट में फाइबर, विटमिंस और प्रोटीन की मात्रा अधिक होनी चाहिए। इसके लिए ज्वार, बाजरा और रागी जैसे सभी मोटे आनाजों को अपनी डाइट में प्रमुखता से शामिल करें। हरी सब्जियों और मौसमी फलों का सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विनीता



बच्चों में बढ़ता खतरा

सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि आजकल बच्चों में भी डायबिटीज के लक्षण नजर आने लगे हैं। पहले कुछ बच्चों में डायबिटीज टाइप-1 के लक्षण नजर आते थे, लेकिन आजकल खान-पान की गलत आदतों और लापरवाही भरी जीवनशैली के कारण बच्चे वेफर्स, चॉकलेट, केक-पेस्ट्री, पिज्जा, बर्गर और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसी चीजों का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं। पार्क में जाकर आउटडोर खेलने-कूदने के बजाय शाम के वक्त घंटों मोबाइल के साथ वक्त बिताते हैं। खान-पान की गलत आदतों और फिजिकल एक्टिविटीज की कमी के कारण आजकल शहरों में रहने वाले अधिकतर बच्चे ओबेसिटी के शिकार हो रहे हैं और इसी वजह से उनमें जुवेनाइल डायबिटीज की समस्या बढ़ रही है। बच्चों को ऐसी समस्या से बचाने के लिए शुरू से ही अपने परिवार में स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करें। लंच या डिनर से पहले अगर उन्हें हल्की भूख लगे तो उस दौरान मंचिंग के लिए उन्हें चॉकलेट, वेफर्स जैसी चीजें देने के बजाय मौसमी फल, ड्राय फ्रूट्स और रोस्टेड मखाने जैसी चीजें खिलाएं।

मन को एकाग्र रखे माइंडफुलनेस

सजेशन
शिखर चंद जैन



हमारा शरीर अकसर वहीं होता है, जहां हम मौजूद होते हैं, लेकिन हमारा मन, कई बार बीते कल की किसी घटना, आने वाले कल की चिंता या मोबाइल की अगली सूचना में उलझा रहता है। हम खाना खाते हुए स्क्रीन देखते हैं, चाय पीते हुए काम की चिंता करते हैं और चलते हुए भी मन में दस योजनाएं बनाते रहते हैं। ऐसे में माइंडफुलनेस यानी सजगता हमारे जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

क्या है माइंडफुलनेस: माइंडफुलनेस का अर्थ किसी विशेष मुद्रा में बैठना या विचारों को जबरन रोक देना नहीं है। इसका सरल अर्थ है, इस क्षण में पूरी तरह उपस्थित होना। सांस भीतर जा रही है तो उसका अनुभव करना, हाथ में चाय है तो उसकी गर्माहट महसूस करना और चलते समय अपने कदमों की गति को जानना। माइंडफुलनेस जीवन में कुछ नया जोड़ने से अधिक, पहले से मौजूद जीवन को सचमुच देखने की कला है। ठीक यही बात चलते समय भी लागू होती है। एक कदम जमीन पर पड़ता है, फिर दूसरा। शरीर आगे बढ़ता है और मन उसके साथ रहता है। कुछ मिनटों की ऐसी सजग चाल भी हमें अपने शरीर और वर्तमान से दोबारा जोड़ सकती है।

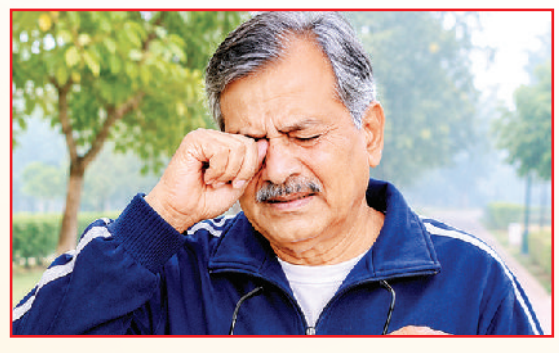
शोध से हुआ साबित: 2024 में नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित 37 अलग केंद्रों और 2,239 प्रतिभागियों वाले बड़े अध्ययन में पाया गया कि स्वयं किए जाने वाले छोटे माइंडफुलनेस अभ्यास तनाव कम करने में प्रभावी हो सकते हैं। 2024 की एक अन्य मेटा-विश्लेषण समीक्षा में 111 अध्ययनों और 9,538 प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें माइंडफुलनेस आधारित कार्यक्रमों से समग्र संज्ञानात्मक क्षमता, ध्यान, मेमोरी और निरंतर एकाग्रता जैसे कुछ क्षेत्रों में छोटे से मध्यम स्तर के सकारात्मक प्रभाव मिले। तनाव कम करने में माइंडफुलनेस का प्रभाव केवल मन की बात नहीं है। इसके पीछे तनाव से जुड़ी मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रक्रियाओं में बदलाव की भूमिका हो सकती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि माइंडफुलनेस हर समस्या का इलाज है। बल्कि यह हमारे पास उपलब्ध एक मानसिक प्रशिक्षण है, जिसे नियमित अभ्यास से मजबूत किया जा सकता है।

ऐसे करें शुरुआत: शुरुआत में दिन में केवल तीन मिनट आंखें बंद करें। सांस को बदलने की कोशिश न करें। बस महसूस करें, सांस आ रही है, सांस जा रही है। विचार आएं तो उन्हें रोकें नहीं। बस पहचानें और धीरे से ध्यान सांस पर वापस ले आएं। फिर कभी चाय पीते समय केवल चाय पीजिए। चलते समय केवल चलिए। बच्चे से बात करते समय केवल बच्चे के साथ रहिए। *



डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

मॉर्निंग वॉक से जब हो आंखों में जलन की समस्या



मेरी उम्र 60 वर्ष है। सर्दियां शुरू होने के बाद जब भी मैं मॉर्निंग वॉक के लिए निकलता हूं, मेरी आंखों में जलन होने लगती है, कई बार सांस लेने में भी दिक्कत आती है। कृपया कोई उपाय बताएं?
-हरीश, रोहतक

इस समय कई शहरों में प्रदूषण काफी अधिक है। आप रोहतक में हैं। दिल्ली और हरियाणा के आस-पास के शहर भी प्रदूषण की चपेट में हैं। इसलिए आपको खास सावधानी रखनी चाहिए। सुबह के समय वॉक नहीं करना चाहिए, क्योंकि सुबह प्रदूषण का स्तर ज्यादा होता है। धूप निकलने के बाद आपको वॉक करना चाहिए। इसके साथ सबसे जरूरी बात है कि आप मास्क पहनकर ही वॉक पर जाएं। इस तरह आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। सर्दियां शुरू होते ही मेरे बालों में डेंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। बाल रूखे भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?
-करण, रायपुर

सबसे जरूरी बात यह है कि जिस पानी से आप नहाते हैं, वो कैसा है? वो पानी साफ होना चाहिए क्योंकि तमाम शहरों में पानी गंदा आता है। इससे भी बालों की सेहत पर फर्क पड़ता है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बाजार में मौजूद तरह-तरह के शैंपू, कंडीशनर का इस्तेमाल बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए ना करें। आप जहां रहते हैं, अगर वहां का पानी खारा है तो इस पानी से बाल नहीं धोने चाहिए। नॉर्मल पानी से ही बालों को धोना चाहिए।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। कुछ दिनों से बार-बार बुखार और बदन दर्द हो रहा है। कृपया बताएं कि मैं क्या करूं?
-गौतम, बिलासपुर

इस समय मौसम चेंज हो रहा है। कई बार तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से वायरल इंफेक्शन होने की संभावना रहती है। आपको बुखार आ रहा है और शरीर में दर्द हो रहा है तो यह टाइफाइड के लक्षण भी हो सकते हैं, लेकिन बगैर जांच के कुछ भी कहना ठीक नहीं है। आप फिजिशियन से संपर्क करें। वे लक्षण देखकर जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और उसी के अनुसार ट्रीटमेंट शुरू होगा।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मैं पिछले साल से बीपी की दवा ले रहा हूं फिर भी मुझे बहुत गुस्सा आता है। मैं क्या करूं?
-सचिन, भोपाल

बीपी की दवा ले रहे हैं लेकिन उससे बीपी कम हो रहा है या नहीं, इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि कई बार देखा गया है कि लोग दवा लेते रहते हैं लेकिन उससे बीपी कम नहीं होता या फिर दवा लंबे समय से लेने से बॉडी उसे एक्सेप्ट कर लेती है और उसका लाभ नहीं होता है। इसलिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें।

मेरी उम्र 55 वर्ष है। मेरा शुगर लेवल अप-डाउन होता रहता है। कृपया बताएं कि इसे कंट्रोल करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?
-राजकिशोर, दुर्ग

ऐसे मामलों में दो बातें बहुत मायने रखती हैं। पहला, दवा का रेग्युलर सेवन और दूसरा, खान-पान सही होना यानी, शुगर के अनुसार डाइट लेना। अगर ये दोनों फॉलो करने के बाद भी आपका शुगर लो-हाई हो रहा है तो जरूर एक बार आपको डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। हो सकता है कि दवा की डोज बढ़ाने की आवश्यकता हो।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। मैं गैस की प्रॉब्लम से परेशान रहता हूं। इस वजह से भूख भी नहीं लगती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?
-राजेश, महासमुंद

अगर आपको गैस की प्रॉब्लम रहती है तो आपको खान-पान में ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि आपकी पाचन क्रिया कहीं ना कहीं प्रभावित हो रही है। खान-पान में आप सुबह हल्का नाश्ता करें, साथ में फल और जूस जरूर लें। दोपहर के खाने में छाछ-दही शामिल करें। साथ ही इस बात का ख्याल रखें कि गैस बनाने वाले फूड्स ज्यादा ना खाएं और खाने के बाद थोड़ा वॉक जरूर करें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम का दिया हवाला

दादा की संपत्ति में पिता को मिले हिस्से पर पोते का नहीं होगा जन्मसिद्ध अधिकार

पिता इस संपत्ति के मालिक स्वतंत्र रूप से होते हैं, न कि परिवार के कर्ता के तौर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



दादा की संपत्ति में पिता को मिले हिस्से पर पोता जन्म से अपना अधिकार नहीं जता सकता। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति का बंटवारा होने पर पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन जाता है। ऐसे में पिता के जीवित रहते पोते का उस संपत्ति पर कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं होता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने तमिलनाडु के जे. राजेश बनाम एम. कुमारन मामले में यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि अगर दादा की मृत्यु बिना वसीयत किए होती है और उनकी संपत्ति का बंटवारा प्रथम श्रेणी के वारिसों के बीच होता है, तो पिता को मिला हिस्सा संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं रह जाता। पिता इस संपत्ति के मालिक स्वतंत्र रूप से होते हैं, न कि परिवार के कर्ता के तौर पर। इसका मतलब है कि पिता को अपनी संपत्ति बेचने, दान करने या किसी दूसरे व्यक्ति को हस्तांतरित करने का पूरा अधिकार है। उनका बेटा पिता के जीवित रहते न तो इस बिक्री पर रोक लगा सकता है और न ही संपत्ति में आधे हिस्से का दावा कर सकता है।

क्या कहता है हिंदू उत्तराधिकार कानून?

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत प्रथम श्रेणी के वारिसों में पत्नी, बेटा और बेटी शामिल है। जब दादा की मृत्यु होती है और संपत्ति का बंटवारा इन वारिसों के बीच होता है, तो पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाता है। पिता के जीवित रहते उनका बेटा यानी पोता दादा की संपत्ति का सीधा वारिस नहीं माना जाता। हालांकि, अगर पिता की मृत्यु दादा से पहले हो जाती है, तो पोता अपने मृत पिता के हिस्से का प्रथम श्रेणी का सीधा वारिस बन सकता है।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला चेन्नई की 1,811 वर्ग फुट जमीन से जुड़ा था। यह जमीन याचिकाकर्ता जे. राजेश के दादा की थी। साल 1994 में हुए पारिवारिक बंटवारे के समझौते के तहत यह जमीन राजेश के पिता के हिस्से में आई थी। इसके बाद 1997 में उनके पिता ने जमीन बेच दी. उस समय नाबालिग रहे राजेश ने अपनी मां के जरिए अदालत में मुकदमा दायर किया। उनका दावा था कि यह पैतृक संपत्ति है और जन्म से ही इसमें उनका आधा हिस्सा बनता है। निचली अपीलीय अदालत और मद्रास हाईकोर्ट ने राजेश के दावे को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी इन फैसलों को बरकरार रखते हुए उनकी अपील खारिज कर दी. कोर्ट ने कहा कि 1956 में हिंदू उत्तराधिकार कानून के संहिताबद्ध होने के बाद इस तरह के मामले में पुराने व्यक्तिगत कानूनों के तहत मिलने वाला जन्मसिद्ध अधिकार लागू नहीं होता।

कब मिलता है पोते को पैतृक संपत्ति में अधिकार?

कोर्ट के फैसले के मुताबिक, अगर संपत्ति का बंटवारा नहीं हुआ है और वह धारा 6 के तहत चार पीढ़ियों से अविभाजित पैतृक संपत्ति के रूप में चली आ रही है, तो पोते का उसमें जन्म से सहदायिकी अधिकार बना रह सकता है। लेकिन दादा की संपत्ति का धारा 8 के तहत बंटवारा होकर पिता को हिस्सा मिल जाने के बाद स्थिति बदल जाती है। ऐसी संपत्ति पर पिता के जीवित रहते पोता जन्मसिद्ध हिस्सेदारी का दावा नहीं कर सकता।



चुनाव आयोग पर लोगों का भरोसा खत्म : पित्रोदा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत में चुनाव आयोग पर लोगों का भरोसा खत्म हो गया है। लोकतंत्र की बुनियाद भरोसे पर टिकी होती है। अगर चुनावों में हेराफेरी होती है, तो उनके नतीजे वैध नहीं माने जा सकते। उन्होंने कहा कि इस संकट का समाधान संवैधानिक तरीके से होना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट को इन मामलों की गंभीरता से जांच करनी चाहिए। पित्रोदा ने विदेशी फंडिंग के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी युवाओं, गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के मुद्दे उठा रहे हैं। नीट पेपर लीक पर उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट और सरकार की ओर से समाधान नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"

(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/जीएम/दीपका क्षेत्र/2026-27/257 — दिनांक 03.11.2026

सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम हरदीबाजार के 133.728 हे. की भूमि का अर्जन सी.बी.ए एक्ट के द्वारा किया गया है जिसमे लागू सी.आइ.एल(आर.एण्ड.आर) पॉलिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा के) कान्सेप्ट के आधार पर 147 भू-स्वामियों/आश्रितों की रोजगार हेतु पात्रता बनती है। जिसमे से 10 भू-स्वामी/ आश्रितों द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है। प्रस्ताव मे प्रभावित खातेदार /नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजो मे भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है –

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी I (2009-10)	पी-II (2004-05) / (2009-10)	बी1 (2019-20)	पी-II (2020-21)	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	उमेश,महेश, गणेश, राजकुमार पिता सरजू , फूलबाई बेवा सरजू	उमेश,महेश, गणेश, राजकुमार पिता सरजू	उमेश,महेश, गणेश, राजकुमार पिता सरजू ,फूलबाई बेवा सरजू	उमेश,महेश, गनेश पिता सरजू, फूलबाई बेवा सरजू	उमेश,महेश, गनेश, पिता सरजू , फूलबाई बेवा सरजू	उमेश,महेश, गणेश, राजकुमार पिता सरजू ,फूलबाई बेवा सरजू	उमेश कुमार यादव पिता सरजू प्रसाद यादव	उमेश, महेश, गणेश पिता सरजू, फूलबाई बेवा सरजू	107/1 113/1 119 146/1 146/5 146/8 131/1 कुल	0.024 0.093 0.085 0.073 0.182 0.081 0.040 0.578	0.06 0.23 0.21 0.18 0.45 0.20 0.10 1.43	1.आधार कार्ड- नरेंद्र कुमार पिता महेश कुमार यादव 2. निवास प्रमाण-नरेंद्र कुमार पिता महेश राम 3.जातिप्रमाण- नरेंद्र कुमार पिता महेश राम 4.वंश वृक्ष- नरेंद्र कुमार पिता महेश 5. शैक्षणिक प्रमाण- Narendra kumar S/o Mahesh ram 6. रोजगार पंजीयन- Narendra kumar S/o Mahesh kumar yadav	नरेंद्र कुमार पिता महेश राम जन्मतिथि-30.04.1994 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	नरेंद्र कुमार पिता महेश कुमार यादव

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम उमेश,महेश,गणेश,राजकुमार पिता सरजू ,फूलबाई बेवा सरजू तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति नरेंद्र कुमार पिता महेश कुमार यादव पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी 1 (2009-10)	पी-II (2009,10)	बी1 (2019,20)	पी-II (2020,21)	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	7	9	10	11	12	13	14	15
1	श्यामबाई पति बोधराम	श्यामबाई पति बोधराम	श्यामबाई पति बोधराम	श्यामबाई पति बोधराम	श्यामबाई पति बोधराम	श्याम बाई पति बोधराम	श्यामबाई कंवर पति बोधराम कंवर		254/7	0.243	0.60	1.आधार कार्ड-तरुण कुमार पिता घूर सिंह 2. निवास प्रमाण- तरुण कुमार पिता घूर सिंह 3. जातिप्रमाण- तरुण कुमार पिता घूर सिंह 4. वंश वृक्ष- तरुण कुमार माता गिरजा बाई 5. शैक्षणिक प्रमाण-तरुण कुमार पिता घूर सिंह 6. रोजगार पंजीयन-Tarun Kumar S/o Ghoor Singh	तरुण कुमार पिता घूर सिंह /माता गिरजा बाई 2. जन्मतिथि-26.05.1992 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	तरुण कुमार पिता घूर सिंह /माता गिरजा बाई

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम श्यामबाई पति बोधराम तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति तरुण कुमार पिता घूर सिंह पढ़ा एवं समझा जावे।

1	रमेश पिता हिन्छाराम	रमेश कुमार पिता हिन्छाराम	रमेश पिता हिन्छाराम	रमेश पिता हिन्छाराम	रमेश पिता हिन्छाराम	रमेश पिता हिन्छाराम	रमेश कुमार यादव पिता हिन्छाराम यादव		131/3 146/3 146/6 कुल	0.040 0.085 0.113 0.238	0.10 0.21 0.28 0.59	1.आधार कार्ड-सृष्टि यादव पिता रमेश यादव 2. निवास प्रमाण- सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव 3. जातिप्रमाण- सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव 4. वंश वृक्ष- सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव 5. शैक्षणिक प्रमाण- SHRISHTI YADAV D/O RAMESH KUMAR YADAV 6. रोजगार पंजीयन- SHRISHTI YADAV D/O RAMESH KUMAR YADAV	सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव 2. जन्मतिथि-30.01.2001 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम रमेश पिता हिन्छाराम तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति सृष्टि यादव पिता रमेश कुमार यादव पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी1 (2004-05)	पी-II (2004-05)	बी1 2022-23	पी-II 2022-23	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			(हे.) में	(एकड़)में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	जनीराम पिता सुंदर	जनीराम पिता सुंदर	जनीराम पिता सुंदर	जनीराम पिता सुंदर	जनीराम पिता सुंदर	जनीराम पिता सुंदर	Jani Ram Patel S/o Sunder Lal Patel		105/4 185/4 185/5 185/9 कुल	0.283 0.121 0.101 0.304 0.809	0.70 0.30 0.25 0.75 2.00	1. आधार कार्ड- संजू कुमार पिता जनी राम 2. निवास प्रमाण- संजू कुमार पिता जनी राम 3.जातिप्रमाण- संजू कुमार पिता जनी राम 4. वंश वृक्ष- संजू कुमार पिता जनीराम 5. शैक्षणिक प्रमाण- Sanjoo Kumar S/o Jani Ram 6. रोजगार पंजीयन Sanjoo Kumar S/o Jani Ram	संजू कुमार पिता जनीराम जन्मतिथि-30.03.1996 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	संजू कुमार पिता जनी राम

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम जनीराम पिता सुंदर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति संजू कुमार पिता जनीराम पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी1 (2002-03)	पी-II (2002-03)	बी1 (2020-21)	पी-II (2026)	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	चन्द्रकुमार पिता गौरीशंकर	चन्द्रकुमार पिता गौरीशंकर	चन्द्रकुमार पिता गौरीशंकर राठौर	चन्द्र कुमार पिता गौरी शंकर	चन्द्र कुमार पिता गौरी शंकर जाति -तेली	चन्द्रकुमार पिता गौरीशंकर	चन्द्रकुमार राठौर पिता गौरीशंकर राठौर		45/1 187/5 200/1 246/3 247/1 कुल	0.081 0.004 0.364 0.032 0.024 0.505	0.20 0.01 0.90 0.08 0.06 1.25	1.आधार कार्ड-संजय कुमार राठौर पिता चन्द्र कुमार राठौर 2.निवास प्रमाण-संजय कुमार राठौरपिता चन्द्र कुमार राठौर 3.जातिप्रमाण- संजय कुमार राठौर पिता चन्द्र कुमार राठौर 4. वंश वृक्ष- संजय कुमार पिता चन्द्रकुमार राठौर 5. शैक्षणिक प्रमाण- संजय कुमार राठौर पिता चन्द्र कुमार राठौर 6. रोजगार पंजीयन- Sanjay Kumar Rathore S/o Chandra Kumar Rathore	संजय कुमार राठौर पिता चन्द्र कुमार राठौर जन्मतिथि-08.06.1981 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	संजय कुमार राठौर पिता चन्द्रकुमार राठौर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम चन्द्रकुमार पिता स्व.गौरीशंकर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति संजय कुमार राठौर पिता चन्द्रकुमार राठौर पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी1 (2004-05)	पी-II (2004-05)	बी1 (2019-20)	पी-II (2020-21)	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	कृष्ण कुमार पिता बिहारी लाल	कृष्णकुमारी पिता बिहारी लाल	कृष्णकुमार पिता बिहारी लाल	कृष्ण कुमार पिता बिहारी लाल	कृष्ण कुमार पिता बिहारी लाल	कृष्ण कुमार पिता बिहारी लाल	कृष्ण कुमार पटेल पिता बिहारी लाल		99/1	0.315	0.78	1. आधार कार्ड- रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार 2. निवास प्रमाण- रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल 3.जाति प्रमाण- रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल 4. वंश वृक्ष-रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल 5. शैक्षणिक प्रमाण- Rameshwar Patel S/o Krishna Kumar 6. रोजगार पंजीयन- Rameshwar Patel S/o Krishna Kumar	रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार जन्मतिथि-23.02.2004 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम कृष्ण कुमार पिता बिहारी लाल तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति रामेश्वर पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल पढ़ा एवं समझा जावे।

1	दिलीप कुमार पिता मदनलाल	ना.बा. दिलीप कुमार पिता मदनलाल	ना.बा. दिलीप कुमार/दिलीप कुमार पिता मदनलाल	दिलीप कुमार पिता मदनलाल	दिलीप कुमार पिता मदनलाल	दिलीप कुमार पिता मदनलाल	दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल		218/8, 322/3 कुल	0.024 0.226 0.250	0.06 0.56 0.62	1.आधार कार्ड-दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर 2. निवास प्रमाण- दिलीप कुमार राठौर पिता मदन लाल राठौर 3.जातिप्रमाण- दिलीप कुमार पिता मदनलाल 4. वंश वृक्ष- दिलीप कुमार पिता मदनलाल 5. शैक्षणिक प्रमाण- Dilip kumar rathore S/o Madan lal rathore. 6. रोजगार पंजीयन- Dilip kumar rathore S/o Madan lal rathore.	दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर जन्मतिथि-16.061989 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति दिलीप कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी1 (2004-05)	पी-II (2004-05) /(2009-10)	बी1 2019-20	पी-II 2026	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	ना.बा. आनंद कुमार पिता मदनलाल	ना.बा.आनंद कुमार पिता मदनलाल	ना.बा.आनंद कुमार पिता मदनलाल/ आनंद कुमार पिता मदनलाल	आनंद कुमार पिता मदनलाल	आनंद कुमार पिता मदनलाल	आनंद कुमार पिता मदनलाल	आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर		218/5 322/1 कुल	0.024 0.222 0.246	0.06 0.55 0.61	1. आधार कार्ड- आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर 2. निवास प्रमाण-आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर 3.जातिप्रमाण- आनंद कुमार पिता मदनलाल 4. वंश वृक्ष- आनंद कुमार पिता मदनलाल 5. शैक्षणिक प्रमाण- Anand kumar rathore S/o Madan lal rathore 6. रोजगार पंजीयन- Anand kumar rathore S/o Madan lal rathore	आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर जन्मतिथि-08.05.1984 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति आनंद कुमार राठौर पिता मदनलाल राठौर पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी1 (2009-10)	पी- II (2009-10)	बी1 (2026)	पी-II (2026)	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम	लक्ष्मी प्रसाद राठौर पिता बैजू राम राठौर		278 279	0.158 0.077	0.39 0.19	1. आधार कार्ड-कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद राठौर 2. निवास प्रमाण- कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद राठौर 3.जातिप्रमाण- कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद राठौर 4. वंश वृक्ष- कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद 5. शैक्षणिक प्रमाण- Kailash rathore S/o Laxmi prasad. 6. रोजगार पंजीयन- Kailash rathore S/o Laxmi prasad.	कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद जन्मतिथि-30.06.1991 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद राठौर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम लक्ष्मी प्रसाद पिता बैजूराम तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति कैलाश राठौर पिता लक्ष्मी प्रसाद राठौर पढ़ा एवं समझा जावे।

क्र	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम							नामंतरण पंजी/ फौती नामंतरण	खाता नं / अर्जित खसरा नं	कुल अर्जित भूमि का रकबा		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम व् जन्म तिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम, पिता का नाम एवं जन्म तिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजो में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) आधार कार्ड के अनुसार
	पत्रक V एवं VI के अनुसार	बी 1 (2004 -05)	पी-II (2004,05)	बी1 2019,20	पी- II 2026	घटते क्रम की सूची के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रसीद के अनुसार			हे. में	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	देवनारायण पिता प्रहलाद	देवनारायण पिता प्रहलाद	देवनारायण पिता प्रहलाद	देवनारायण पिता प्रहलाद	देवनारायण पिता प्रहलाद	देवनारायण पिता प्रहलाद	डी.एन.राठौर पिता प्रहलाद		58/2, 65/5, 65/6	0.328	0.81	1. आधार कार्ड-प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर 2. निवास प्रमाण- प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर 3.जातिप्रमाण- प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर 4. वंश वृक्ष- प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर 5. शैक्षणिक प्रमाण- प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर	प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर जन्मतिथि-10.01.2007 (दशवी अंकसूची के अनुसार)	प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम देवनारायण पिता प्रहलाद तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति प्रतीक राठौर पिता नरेन्द्र कुमार राठौर पढ़ा एवं समझा जावे।

अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणो के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। अन्यथा समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी।

सही/-

महाप्रबंधक,एसईसीएल दीपका क्षेत्र

बांग्लादेश में पूर्व पीएम हसीना की वापसी के ऐलान पर तनाव

21 जिलों में हिंसा, 24 घंटे में 22 वाहन फूंके, ट्रेन का कोच भी जलाया



आगजनी में एक की मौत

बांग्लादेश पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इन हिंसक हमलों, चक्का जाम और आगजनी के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई 'बांग्लादेश छात्र लीग' के कार्यकर्ताओं का हाथ है। हिंसा की सबसे भीषण घटनाएं राजधानी ढाका और उसके आस-पास के जिलों में देखने को मिली हैं। फार्मगेट मेट्रो स्टेशन के ठीक नीचे खड़ी बस को आग के हवाले कर दिया गया। आग पेट्रोल बम फेंक कर लगाई गई। मीरपुर-11 में पोस्ट ऑफिस और मेट्रो रेल लाइन के पास बस में आग लगा दी गई। पल्लवी इलाके में सड़क किनारे खड़ी दो बसों को फूंक दिया गया। फरीदपुर में जिस बस को आगजनी का शिकार बनाया गया उसमें 55 साल के एक ड्राइवर की मौत हो गई और ये सब तब हो रहा है जब शेख हसीने ने वतन वापसी का ऐलान कर दिया है।

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश हिंसा की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हिंसा फिर भड़क गई है। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई।

सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए। बांग्लादेश पुलिस और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग लगाई गई। ढाका और छह अन्य जिलों में कम से कम 28 जगह देसी बम धमाकों की घटनाएं हुईं। पुलिस मुख्यालय का दावा है कि इन घटनाओं के पीछे शेख हसीना की पार्टी के समर्थक हैं। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुईं।

आरएसएस मामला

गृहमंत्री खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे की तरफ से आरएसएस और उसके सरसंघचालक मोहन भागवत पर प्रश्न उठाने के लिए सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक फोटो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि प्रियांक खड़गे ने जिस फोटो के आधार पर आरएसएस से जुड़े लोगों की गोला-बारूद केस में संलिप्तता पर प्रश्न खड़े किए, वह तस्वीर एआई की मदद से एडिट की गई थी। इस केस को लेकर उनके विरुद्ध बेंगलुरु पुलिस को शिकायत दी गई है। बता दें कि प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आरएसएस वर्कर्स की एक फोटो शेयर करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से प्रश्न पूछा था। उन्होंने बिहार और हरियाणा में 44,250 कारतूसों की रिकवरी से जुड़े अंतरराज्यीय गोला-बारूद स्मगलिंग रैकेट में आरएसएस से जुड़े लोगों की संभावित भूमिका पर जवाब मांगा था। हालांकि, फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट ने दावा किया है कि प्रियांक खड़गे की तरफ से शेयर की गई तस्वीर मूल

चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमान किया व्यक्त

मूडीज ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7% किया, वैश्विक जोखिमों को लेकर चेताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। एजेंसी ने कहा कि व्यापक आर्थिक गतिविधियों में तेजी, मजबूत खपत और ऊर्जा आपूर्ति के झटकों को झेलने की क्षमता से वृद्धि दर के अनुमान में यह बढ़ोतरी की गई है।

मूडीज रेटिंग्स ने अपनी 'वैश्विक व्यापक परिदृश्य 2027-28' रिपोर्ट में इस बात को लेकर आगाह भी किया कि निकट अवधि में आर्थिक वृद्धि के समक्ष जोखिम बने हुए हैं। घरेलू खपत बढ़ते और व्यापक होते महंगाई के दबाव के प्रति संवेदनशील बनी हुई है।

खुदरा महंगाई 5.54 फीसदी पर

खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर, 2026 में बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो से छह प्रतिशत के लक्ष्य दायरे के ऊपरी स्तर के करीब है। इसके अलावा, कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो की परिस्थितियों से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित हो सकती है।

निजी निवेश में लगातार तेजी

मूडीज ने कहा, ''मजबूत खपत, निवेश की बेहतर होती स्थिति और मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद से भारतीय अर्थव्यवस्था मध्यम अवधि में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि दर बनाए रखने की स्थिति में है।

दुनिया का सबसे बड़ा तेल शोधन परिसर भारत में

मूडीज ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत तेल शोधन परिसर स्थित है। देश की बड़ी और आधुनिक तेल शोधन क्षमता ने ईंधन आपूर्ति में बाधाओं को सीमित रखने के साथ उसे परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का प्रमुख निर्यातक बनाए रखने में मदद की है।



- पहले आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6 .5 प्रतिशत था
- झटकों को झेलने की क्षमता से वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया
- व्यापक होते महंगाई के दबाव के प्रति संवेदनशील बनी हुई

ऊर्जा कीमतों का सामना बेहतर तरीके से

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत ने ऊर्जा कीमतों के झटके का सामना पहले के अनुमान से बेहतर तरीके से किया है। कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता तथा सरकारी समर्थन वाली पेट्रोलियम विपणन कंपनियों और कर कटौती के जरिये उपभोक्ताओं को तत्काल मूल्य वृद्धि से बचाने में मदद मिली है।

वृद्धि दर का अनुमान अन्य संस्थाओं के अनुमानों के करीब

मूडीज का वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान अन्य प्रमुख संस्थाओं के अनुमानों के करीब है। आरबीआई और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने 7.1 प्रतिशत, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष , एशियाई विकास बैंक और एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सात प्रतिशत और फिच रेटिंग्स ने 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

■ आईटी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है कॉग्निजेंट

कॉग्निजेंट ने क्लॉड मॉडल के लिए 25,000 से ज्यादा पेशेवर लगाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कॉग्निजेंट ने मंगलवार को ''क्लॉड फ्रंटियर कैपेबिलिटी ग्रुप'' के गठन की घोषणा की। इस समूह में 25,000 से अधिक पेशेवर शामिल हैं, जो ग्राहकों के लिए क्लॉड सेवा उपलब्ध कराएंगे।

शेयर बाजार नैस्डैक में सूचीबद्ध आईटी कंपनी ने कहा कि यह समूह कार्यकुशलता, परिवर्तन और ग्राहकों की सफलता पर केंद्रित है तथा इसके पास उद्यमों के मुख्य कार्यों में एआई (कृत्रिम मेधा) को प्रायोगिक स्तर से निकालकर उत्पादन स्तर तक ले जाने की क्षमता है। उद्यमों के पास अत्याधुनिक एआई क्षमताएं तो हैं, लेकिन व्यावसायिक लाभ हासिल करने में उन्हें अभी भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉग्निजेंट ने अपने पूरे कार्यबल में क्लॉड कौशल विकसित किया है। एंथ्रोपिक द्वारा निर्मित एआई सहायक क्लॉड पर कारोबारी इकाइयों और कॉरपोरेट कार्यों से जुड़े 44,000 से अधिक सहकर्मी पहले ही प्रशिक्षित या प्रमाणित हो चुके हैं। बयान में कहा गया, 'कॉग्निजेंट का नया क्लॉड फ्रंटियर कैपेबिलिटी ग्रुप एक समर्पित वैश्विक क्लॉड आपूर्ति संगठन के रूप में 25,000 से अधिक पेशेवरों को एक साथ लाता है।'

यह ग्राहकों के व्यवसायों में क्लॉड-संचालित प्रणालियों को आगे बढ़ाएगा। कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एस ने कहा कि ग्राहक ऐसा साझेदार चाहते हैं जो उनके व्यवसाय में एआई के इस्तेमाल के बाद उसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी ले। उन्होंने कहा, 'हम अपने 25,000 से अधिक कर्मचारियों को क्लॉड पर लगा रहे हैं और प्रबंधित सेवाओं के जरिये ग्राहकों के लिए इसके संचालन की जिम्मेदारी ले रहे हैं।'

सोना 800 रु. टूटा व चांदी 5,000 रु. लुढ़की



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। दिवाली की छुट्टियों के कारण कारोबार सुस्त रहने से सोना 800 रुपये टूटकर 1,45,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार के कारोबारी सत्र में 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी कीमत 800 रुपये घटकर 1,45,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमतें भी दो सत्र तक स्थिर रहने के बाद नीचे आईं। यह 5,000 रुपये लुढ़ककर 1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जबकि मंगलवार को इसका भाव 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''दिवाली की छुट्टियों के दौरान घरेलू कारोबार सुस्त रहने और कई स्थानीय बाजार बंद होने के कारण बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई।

प्रथम पृष्ठ का शेष

होली जैसी दिवाली...

को प्रदेश में सबसे ज्यादा 55.40 करोड़ रुपए की शराब बिकी। वहीं 8 और 9 नवंबर को भी बिक्री का आंकड़ा सवा सौ करोड़ रुपए से ऊपर रहा।

छत्तीसगढ़ चमका, बिल्हा...

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। तीन से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन सबसे स्वच्छ शहर रहा। इसके बाद चंडीगढ़ और गुंटूर का स्थान रहा। हालांकि, पिछले आठ वर्षों से सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वाला इंदौर इस साल शीर्ष स्थानों में जगह नहीं बना पाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां आयोजित एक समारोह में विजेता शहरों को पुरस्कार प्रदान किए।

सबसे स्वच्छ नदी तट वाले शहरों की श्रेणी में मध्यप्रदेश के रीवा ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि बिलासपुर दूसरे और वाराणसी तीसरे स्थान पर रहे। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में ग्रेटर विशाखापत्तनम सबसे स्वच्छ शहर रहा। इसके बाद जबलपुर और लखनऊ का स्थान रहा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार, स्वच्छ तटीय शहर श्रेणी में पुरी ने पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद केरलम के अलप्पुझा और महाराष्ट्र के रत्नागिरि का स्थान रहा। केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में रुद्रपुर सबसे स्वच्छ हिमालयी शहर रहा, जबकि जम्मू ने दूसरा स्थान हासिल किया।

दो बाइकों की...

बनराका के निवासी थे। दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई। वहीं, दूसरी मोटरसाइकिल पल्सर में सवार भावेश सिन्हा (20), निवासी नवघटा की भी हादसे में जान चली गई। इसी बाइक में सवार तोमन मरावी (18) और भानुप्रताप सिंह (17), दोनों निवासी नवघटा, गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए थान खम्हरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एअर इंडिया के...

बयान के अनुसार, एअर इंडिया की उड़ान के शौचालय में चालक दल के सदस्यों को पूर्वाह्न 10 बजकर 37 मिनट पर विमान के अपहरण की धमकी वाला नोट मिला। एअर इंडिया ने इस मामले में अब तक कोई बयान जारी नहीं किया है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी...

संभाग प्रभारी रामू रोहरा, जिला प्रभारी प्रशांत ठाकुर, जिला अध्यक्ष रायगढ़ अरुण धर दीवान, कोरबा जशपुर, सरगुजा जिले सहित अन्य जिलों के विधायक, जिला भाजपा अध्यक्ष एवं जिला भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

इतिहास को याद...

उत्साह है। श्रीमती ईरानी ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्यक्रम की सफलता में जुट जाएं।

कार्यकर्ताओं की ली...

जनजातीय गौरव दिवस समारोह को भव्य, ऐतिहासिक एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले जनजातीय भाई-बहनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अब बैंक नहीं...

कहा कि सीजीएफएमयू के तहत राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के जरिए ऋण देने वाले संस्थानों को कर्ज चूक के जोखिम के खिलाफ ऋण गारंटी उपलब्ध कराई जाती है। यह कोष जनवरी, 2016 में शुरू किया गया था और इसने देश में मुद्रा योजना के तहत ऋण वितरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू होने के बाद से सितंबर, 2026 तक ऋणदाता संस्थानों ने 60.36 करोड़ से अधिक ऋण मंजूर किए हैं। इनकी कुल राशि 43.34 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। सरकार ने कहा कि बिना कुछ गिरवी रखे ही मिलने वाले इन कर्जों से ऐसे नए उद्यमियों की पीढ़ी तैयार हुई है, जो पहले औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से कर्ज लेने में सक्षम नहीं थे। सीजीएफएमयू को जारी रखने से युवा उद्यमियों को अपना कारोबार शुरू करने और उसका विस्तार करने में मदद मिलेगी। यह कोष ऋण देने वाले संस्थानों को कुछ निर्धारित श्रेणियों के ऋण पर गारंटी उपलब्ध कराता है। इसमें मुद्रा योजना के तहत 20 लाख रुपए तक के ऋण, प्रधानमंत्री जनधन योजना के खातों पर 10,000 रुपए तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा और स्वयं सहायता समूहों के 10 लाख से 20 लाख रुपए तक के ऋण पोर्टफोलियो शामिल हैं।

गीदम में दो करोड़...

वाहन में चालक देवेंद्र ठाकुर और कपड़ा व्यापारी ललित बुरड़ के साथ शाम करीब 6 बजे गीदम लौट रहे थे। इसी दौरान पांडेमुर्गा के आसपास जंगल में तीन अज्ञात लोगों ने पिस्टल और चाकूनुमा हथियार दिखाकर वाहन में रखे बैग को लूट लिया। बैग में करीब दो करोड़ मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी होने की बात कही गई थी। आरोपियों द्वारा तीनों के मोबाइल फोन भी लूटने की सूचना दी थी।

हेराल्ड मामले पर...

'आपराधिक साजिश' का मामला बनाया गया। अपनी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में इस मामले को लेकर उन्होंने सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि उन्हें तथा राहुल गांधी को लंबे समय तक जांच के नाम पर परेशान किया गया। उन्होंने हेराल्ड मामले पर पहली बार सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की है। सोनिया गांधी ने लिखा, मैंने और राहुल ने एक पैसा भी नहीं लिया। इस उद्यम के निदेशक मंडल में शामिल किसी भी व्यक्ति या पुनरुद्धार प्रक्रिया से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति को कभी एक पैसा नहीं मिला। इसके बावजूद हमारे खिलाफ आपराधिक साजिश का मामला बनाया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में प्रतिष्ठित लेखा और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद 'नेशनल हेराल्ड' को फिर से पटरी पर लाने की पहल की गई थी। इसके लिए एक नयी गैर-लाभकारी संस्था के आधार पर अखबार को फिर से शुरू करने और उसका कायाकल्प करने की योजना बनाई गई थी। सोनिया गांधी के मुताबिक, गैर-लाभकारी संस्था के आधिकारिक दर्जे के तहत किसी भी शेयरधारक या निदेशक को कोई मौद्रिक लाभ प्राप्त करने की अनुमति नहीं होती। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया से जुड़े किसी भी व्यक्ति ने आर्थिक लाभ नहीं उठाया। सोनिया ने लिखा है, नेशनल हेराल्ड की स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने 1938 में लखनऊ में ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन के स्वतंत्र मुखपत्र के रूप में की थी। हालांकि, दशकों बाद अखबार की गुणवत्ता और पाठकों की संख्या में गिरावट आ गई थी। सोनिया गांधी ने कहा कि इसे फिर से पटरी पर लाना जरूरी था क्योंकि उनके अनुसार मुख्यधारा का मीडिया और टेलीविजन चैनल ज्यादातर कांग्रेस के प्रति शत्रुता का भाव रखने वाले कॉरपोरेट के नियंत्रण में थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में दिसंबर, 2015 में उन्हें और राहुल गांधी को जमानत के लिए अदालत में पेश होना पड़ा। उनके मुताबिक, चार साल बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समानांतर कार्रवाई शुरू की और उन्हें तथा राहुल गांधी को एजेंसी के कार्यालय में बुलाकर कई दिनों तक पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि 12 साल से अधिक समय बीतने के बावजूद मामला अब भी अदालत में विचाराधीन है। सोनिया गांधी ने अपने दामाद रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ जांच का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 से उनके खिलाफ सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई, बार-बार समन, गिरफ्तारी की आशंकाएं और भारी-भरकम कर जुर्माने का सिलसिला जारी रहा। उन्होंने दावा किया कि इन कार्रवाइयों को मीडिया में सुनियोजित तरीके से प्रचारित किया गया और सरकारी तथा निजी टेलीविजन चैनलों पर उन्हें अपराधी के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। सोनिया गांधी ने कहा कि इस घटनाक्रम का असर प्रियंका के बच्चों रायहान और मिराया पर भी पड़ा। पिता के नाम को लगातार बदनाम किए जाने से बच्चे दुखी थे और परिवार में तनाव का माहौल बना रहा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इन मुश्किलों के बावजूद परिवार एकजुट रहा और पहले से अधिक मजबूत हुआ।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सर्भी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034वी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु असिस्टेंट एकाउंटेंट, अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग एवं लोकल में माल छोड़ने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, तेलीपारा, बिलासपुर (42263)

आवश्यकता है- सुपर बाजार में Tally Busy अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की एवं हेल्पर (लड़के, लड़कियां) बायोडाटा सहित अनुभवी सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार SBI ATM के पास, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 7470592624 (42259)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (42260)

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Pvt.Ltd. को Manager HR, Marketing Manager, Counselor, फिल्ड ऑफिसर, सर्वेयर, ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 35000 सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, लिंक रोड बिलासपुर 6269222001, 8085045559 (42269)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है वेल्डर वेतन- 20000, हेल्पर वेतन- 10000 से 12000 सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 5बजे तक उमेश इंजीनियरिंग घुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 8085888288 (42257)

आवश्यकता है- हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी कक्षाओं में गणित विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षक शिक्षिकाओं की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सरदार संतोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9827192066 (42267)

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाउस महिमा टॉवर राजीव गांधी चौक कुम्हारपारा बिलासपुर में काम करने हेतु ड्राइवर एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 98266 01147, 6260273334 (42264)

आवश्यकता है- बिलासपुर में लगरा, मोपका, राजकिशोर नगर, गतौरी, मटियारी हेतु चौकीदार एवं सुरक्षागार्ड की तत्काल आवश्यकता है रहने की सुविधा, बाहरी व्यक्ति को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9691059371. 9039355895 (42258)

आवश्यकता है-इंटरसिटी यात्रा हेतु नशा मुक्त एवं अनुभवी ड्राइवर चाहिए। 5दिन कोरबा में रहना। वीकेंड पर बिलासपुर वापसी। कोरबा में रहने की सुविधा। वेतन अनुभव, कार्य कुशलता अनुसार। सम्पर्क करें- 77768 64202 (42247)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों, छोटा हाथी एवं कार ड्राइवर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विजय नगर जेबीसी स्कूल के पास देवरीखुर्द बिलासपुर 9301517722 (42266)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में मैनेजर वर्क सेल्स, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण एवं नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (42261)

आवश्यकता है- अकाउंट्स जानकार, हिन्दी अंग्रेजी टाइपिस्ट चाहिए। उम्र 30-50, अनुभव 10वर्ष, सभी नशों से दूर सम्पर्क करें- एसपी चतुर्वेदी, फ्लैट नं-801, घनश्याम होम्स, यूनीयन बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9993087654 (42251)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 समय (सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- राजीव प्लाजा के पास, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7880210386 (42265)

आवश्यकता है- अनुभवी लाइसेंस धारी लोकल कार ड्राइवर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- विजयापुरम सरकंडा, पानी टंकी के पास बिलासपुर 9098950356, 74892 44588 (42256)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (42268)

आवश्यकता है- बच्चे को संभालने एवं घरेलू सभी कार्यों हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- कल्पना विहार, नेहरू नगर, अमेरी चौक बिलासपुर 99772 47800 (42252)

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु इच्छुक सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है जिनकी योग्यता 10वीं पास एवं उम्र 40वर्ष तक होनी चाहिए वेतन 11000 से शुरू सम्पर्क करें- 99816 30084, 9425534940 (42250)

आवश्यकता है- हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य हेतु लेबर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर, अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा, बिलासपुर 7415515151 (42255)

बेचना है

बेचना है- नया मकान देवरीखुर्द विजय नगर बिलासपुर में 3 कमरों का डुप्लेक्स मकान हॉल, 3 बाथरूम किचन, पार्किंग सहित सर्व सुविधा युक्त मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9098251177, 85178 72392 (42245)

बेचना है- भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 फ्रंट बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़) जमीन शीघ्र बेचना सम्पर्क करें- 8349054531 (42185)

बेचना है- मोपका मेन रोड में ग्लोरियस सिटी के पास 25×100= 2500 वर्गफुट कमर्शियल डायवर्टेड प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर (छ.ग.) 9827984512, 70007 62663 (42249)

बेचना है- सरकंडा अशोक नगर में रघु विहार के पास 2566 वर्गफिट में 2BHK का मकान नवनिर्मित शीघ्र बेचना है दीपावली ऑफर रजिस्ट्री फ्री। सम्पर्क करें- 8770336700 (42246)

किराये से चाहिए

किराया- बिलासपुर से तखतपुर रोड एवं गनियारी रोड में एक- दो एकड़ जमीन किराए पर चाहिए एवं कश्यप कॉलोनी में 1BHK या 2BHK मकान किराए पर चाहिए सम्पर्क करें- 7987266326 (42262)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:-मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-मो.9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:-मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:-मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:-मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:-मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:-मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:-मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:-मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:-मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-मो. 8109229025

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेनदेन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आईपीएल ट्रेडिंग : हार्दिक की फीस में 1.65 करोड़ की बढ़ोतरी

18 करोड़ में पंजाब के हुए हार्दिक एमआई के लिए खेलेंगे अर्शदीप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे बड़ी और बहु प्रतीक्षित अदला बदली (ट्रेडिंग) में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 18 करोड़ रुपए की बढ़ी हुई कीमत पर पंजाब किंग्स से जुड़ गए हैं जबकि मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी टीम में लिया है। आईपीएल ने बयान में कहा की हार्दिक अपनी मौजूदा फीस 16.35 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि में मुंबई इंडियंस से पंजाब किंग्स चले गए हैं जबकि अर्शदीप 18 करोड़ रुपए की मौजूदा कीमत पर मुंबई से जुड़ गए हैं।

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इस साल (आईपीएल के पिछले सत्र से पहले) राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बदले में राजस्थान रॉयल्स ने सीएसके से रविंद्र जडेजा को 14 करोड़ और सैम कुरेन को 2.4 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। ट्रांसफर फीस दोनों फ्रेंचाइजी के बीच आपसी समझौता है और यह टीम में बनाए रखने की फीस (रिटेंशन फीस यानि फ्रेंचाइजी का खिलाड़ी को भुगतान किया जाने वाला वेतन) से अलग है।

हार्दिक का एमआई के साथ दूसरा कार्यकाल समाप्त

दोनों टीमों ने आपसी सहमति से तय किया कि हार्दिक की फीस में 1.65 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी और मौजूदा नियमों के अनुसार उन्हें इस बढ़ोतरी का 50 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। बाकी रकम मुंबई इंडियंस को मिलेगी। हार्दिक का इस तरह से मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। वह पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे और तब उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के साथ चार खिताब जीते थे। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम को 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुंबई की टीम के साथ सात सत्र बिताने के बाद हार्दिक 2022 में 15 करोड़ रुपए की फीस पर गुजरात टाइटन्स में शामिल हो गए और उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपने पहले ही सत्र में खिताब दिलाया। गुजरात की टीम 2023 में फाइनल तक भी पहुंची थी।



एमआई के तिलक बन सकते हैं उपकप्तान

रोहित को अचानक टीम से बाहर किए जाने का मुद्दा भी विवाद का विषय बना रहा और अब कयास लगाए जा रहे हैं के फ्रेंचाइजी की तरफ से उनके संभवतः आखिरी सत्र में उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक वर्मा को उप कप्तान बनाए जाने की संभावना है।

हार्दिक ने एमआई में बिताए खास पल : आकाश अंबानी

मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी ने कहा, 'हार्दिक ने मुंबई इंडियंस में कुछ बहुत ही खास पल बिताए हैं। हमने उन्हें एक क्रिकेटर के रूप में लगातार बेहतर होते हुए देखा है, विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाते हुए देखा है और फिर टीम का नेतृत्व करने के लिए वापसी करते हुए देखा है।' उन्होंने कहा, 'मैं उनका एक क्रिकेटर और एक इंसान के तौर पर बहुत सम्मान करता हूं और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'



यादों के लिए आभार अर्श : पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स ने टीम में अर्शदीप के योगदान को स्वीकार करते हुए एक बयान में कहा, 'ढेर सारी हंसी, अनगिनत यादें और ढेर सारी मस्ती। यादों के लिए आभार अर्श।" अर्शदीप आठ सत्र तक पंजाब की टीम से खेलने के बाद अब मुंबई की टीम में शामिल हो रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने 2019 में पंजाब की टीम से आईपीएल में पदार्पण किया था और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में अपनी छाप छोड़ी थी। उन्होंने आईपीएल के 96 मैच में 111 विकेट लिए हैं, जो पंजाब किंग्स की तरफ से रिकॉर्ड है। उन्होंने 2025 के सत्र में 21 और 2026 में 14 विकेट लिए। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी टी20 प्रारुप में भारत का सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज भी है। उन्होंने 104 मैचों में 151 विकेट लिए हैं।

महज 75 मिनट में कोको को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं नोस्कोवा

एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं।

मैं अभी भी जीतना चाहती हूं : लिंडा

लिंडा नोस्कोवा ने कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं। मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर फोकस कर रही थी कि मैं दो दिन में जेसी (पेगुला) के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं। मैं यहां असल में मैच नहीं खेल रही हूं, इसलिए यह कुछ अलग नहीं होने वाला है।

नोस्कोवा ने किया गॉफ को पांच बार ब्रेक

नोस्कोवा ने गॉफ को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं। उसने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया और गॉफ की दूसरी सर्व पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) पॉइंट जीते। रिटर्न पर नोस्कोवा ने जो दबाव डाला, उससे उन्हें दोनों सेट में 4-1 की लीड बनाने में मदद मिली। यह नोस्कोवा के लिए इस सीजन की छठी टॉप-10 जीत है, जिसने जुलाई में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-112-26-27, दिनांक: 06.11.2026. कार्य का नाम: रायपुर स्टेशन के लाइन नंबर 1, 3, 5 और 6 के वॉशेबल एप्रन को सामान्य बलास्टेड ट्रैक में रूपांतरण करने का कम्पोजिट वर्क्स (सिविल और पी.वे.)। निविदा मूल्य: ₹ 14,87,70,402/-. ईएमडी: ₹ 29,75,400/-.

निविदा जमा करना: 01.12.2026 के 11.00 बजे तक। निविदा खुलना: 01.12.2026 को 11.00 बजे।

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/डाउनलोड करें।

कृते वरिष्ठ मंडल अभियंता(i)/रायपुर

PR/R/Engg/PCN/258

South East Central Railway @secrail

INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA
DEPARTMENT OF AGRI-BUSINESS & RURAL MANAGEMENT (DAB&RM)
COLLEGE OF AGRICULTURE, RAIPUR (C.G.)
www.igkv.ac.in email: hoddabrm@gmail.com

WALK-IN-INTERVIEW

One contractual position of Guest Teacher in the discipline of Agri-Business Management is intended to be filled up in the Department of Agri-Business & Rural Management, College of Agriculture, IGKV, Raipur. Interested candidates must report on 25/11/2026 at 11:00 AM in the College of Agriculture, Krishak Nagar, Raipur. Application window for the above post is open from 12/11/2026 to 20/11/2026 midnight. For more details, log on to www.igkv.ac.in

S. 49760

Professor & Head
DAB&RM, CoA, Raipur

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in KORBA
NIT No:- 438/2026 Dated :- 05.11.2026

S N	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract
1	203550 (1st Call)	Widening and Upgradation of Existing BT Road from Kosabadi Chowk to Rishdi Chowk in Korba (C.G.)	Rs. 1830.02 Lakh

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 15.11.2026 at 15.30 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

बराड़ ने लगाई लंबी छलांग, 48वें स्थान पर पहुंचे

एजेंसी:दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में विकेटकीपर ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में शामिल भारतीय बल्लेबाज हैं। पंत (713 रेटिंग अंक) आठवें और गिल (697) दसवें नंबर पर हैं। ये दोनों नवीनतम सूची में एक पायदान नीचे खिसके हैं। यशस्वी जायसवाल 13वें स्थान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में पहले दो स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट हैं। गेंदबाज गुरनूर बराड़ लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह इससे पहले शीर्ष 100 में शामिल नहीं थे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : पंत और गिल शीर्ष 10 में शामिल



गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर स्टार्क

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क शीर्ष पर हैं।

आईपीएल में नहीं बढ़ेगी टीमें : सैकिया



नई दिल्ली। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल में फिलहाल टीम की संख्या 10 से बढ़ा कर 12 करने की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि ऐसे प्रस्ताव पर बोर्ड के भीतर अनौपचारिक स्तर पर भी कोई चर्चा नहीं हुई है।

26 ऐतिहासिक बल्ले भेंट करेंगे सचिन

मुंबई। सचिन तेंदुलकर अपने करियर के 26 खास बल्ले मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय को भेंट करेंगे। इन बल्लों में वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे सचिन ने अपने 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों में से कई यादगार शतक जड़े थे। बल्लों के अलावा उनके हेलमेट, जर्सी और करियर के महत्वपूर्ण पलों से जुड़े निजी नोट्स सहित कई अन्य यादगार वस्तुएं भी संग्रहालय में प्रदर्शित की जाएंगी। इन अनमोल धरोहरों की प्रदर्शनी का अनावरण 16 नवंबर को एक विशेष समारोह में किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ0ग0)

क्रमांक 3820 न.पा.नि./ 2026 रायगढ़ दिनाँक 11/11/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	203795	नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रान्तर्गत कोसाबाड़ी केन्द्र के पास ऑक्सीजोन निर्माण कार्य। (05 वर्ष के संधारण सहित) (चतुर्थ निविदा)	933.41	23.11.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि., रायगढ़

NAGAR PANCHAYAT TAMNAR, DISTRICT-RAIGARH

E-Procurement Tender Notice 1st Call

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in, UDD Portal: https://eproc.egstate.gov.in

SYSTEM TENDER NO:- NIT Ref. NO:328/NIT/TAMNAR/PWD/2026-27 TAMNAR Dated 11-11-2026

TAMNAR NAGAR PANCHAYAT invites Online Tenders for and on behalf of Chief Municipal Officer, NAGAR PANCHAYAT TAMNAR for Pre qualification and S.O.R. percentage rate tender in Form -A- through online from Eligible Class D & Above Contractors OF NAGAR PANCHAYAT TAMNAR, Chhattisgarh/ PWD Chhattisgarh/ Equivalent contractors of Central/State Government and their undertaking or Experienced reputed Firms for similar work on Go Cge-Procurement System (https://eproc.cgstate.gov.in)

S. No.	Name of work	NIT No. System Tender No.	Estimated cost (in Lacs)	Earnest Money Deposit	Time Period of Completion
1	एस.एल.आर.एम. सेंटर में प्रसंस्करण संयंत्र स्थापना कार्य (MRF)	Nit No 328 /System Tender No. 203768	53.70	Rs. 27000/-(OFLINE PEYMENT) & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 10000/- Demand Draft	04 Months

CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PANCHAYAT TAMNAR

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
NIT No: 6,7,8,9/2026 Korba Dated 05.11.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	203620 (1st Call)	Sweeping & Cleaning work at ward no. 48,49,51,52,43, 54,55,56, 58,59,60,67 Darri Zone area.	180.21
2	203621 (1st Call)	Sweeping & Cleaning work at ward no. 38,39,40,41,43, 44,45,46,47 Balco Zone area	158.17
3	203622 (1st Call)	Sweeping & Cleaning work at ward no. 26,27,28,29,30, 33,34 Ravisahankar Shukla Nagar Zone area.	192.70
4	203623 (1st Call)	Sweeping & Cleaning work at ward no. 1,2,5,6,7,12 Korba Zone area.	140.88

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov. in from 05.11.2026 at 15:30 Hours. (IST) onwards.

Asstt. Health Officer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

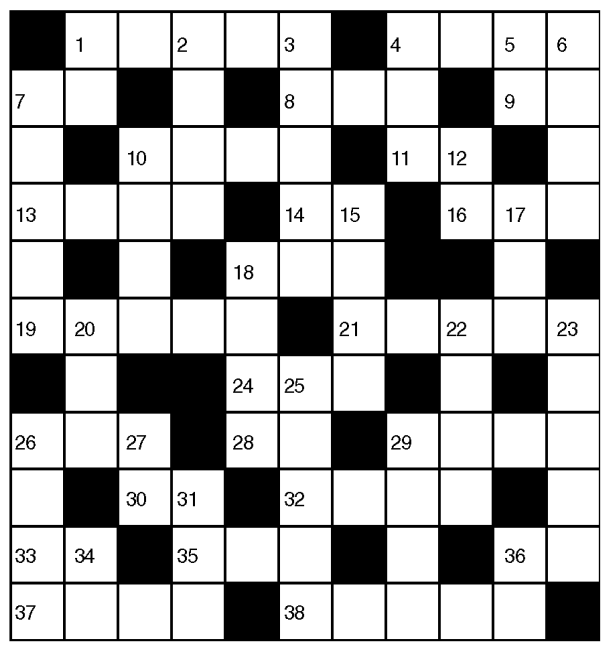
धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 6404



बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली- 6403 का हल

स	द	च	रि	त्र	■	■	ब	ह	रा	■
मा	मा	■	या	■	अ	द	द	■	ह	क
ज	■	■	स	ज	दा	■	ब	■	■	हा
वा	र	दा	त	■	■	श	■	प	नी	र
दी	■	मि	■	ह	म	रा	ज	■	र	■
■	रा	बी	■	रा	■	फ	■	बी	ज	■
■	ह	■	श	र	ब	त	■	ह	■	म
क	त	रा	■	त	■	■	अ	इ	च	न
हा	■	■	चिं	■	म	लि	न	■	■	भा
नी	र	■	त	न	य	■	ब	■	श	व
■	थ	का	न	■	■	म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल - 6414

कठिनतम

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6413 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2



रोचक खबरें



खुदाई के दौरान शख्स को मिला 1.5 करोड़ का सोने का टुकड़ा

सिडनी। कई बार निराशा हाथ लगने के बाद आस्ट्रेलिया में एक शख्स की ऐसी किस्मत बदली की, जिसके बारे में उसने सोचा नहीं था। वह न्यू साउथ वेल्स के सुदूर उत्तर-पश्चिमी हिस्से में टिबूबुरा के पास माउंट स्टुअर्ट स्टेशन पर कई दिनों से खुदाई कर रहा था। इसी दौरान उसे सोने का 1.2 किलोग्राम का टुकड़ा (नगेट) मिला, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। उसे इस बड़े से सोने के टुकड़े के बारे में मेटल डिटेक्टर मशीन के जरिए पता चला। अब वह किसी कलेक्टर को खुदाई में मिले सोने के बारे में बेचने को सोच रहा है। शख्स काफी समय से टिबूबुरा के पास माउंट स्टुअर्ट स्टेशन पर खुदाई कर रहा था। पर अब तक कुछ खास उसके हाथ नहीं लगा। इसी महीने एक दिन वह सोना खोजने के लिए खुदाई करते-करते थक गया था। वह काम बंद करने वाला था कि इसी बीच उसके मेटल डिटेक्टर 'गोल्ड मॉन्स्टर 2000' पर सिग्नल आया। उसे जितना बड़ा सोना का टुकड़ा मिला है, उस हिसाब से मशीन का सिग्नल तेज नहीं था। पर जब वह करीब 100 मीटर नीचे पहुंचा, तब जाकर मशीन में जोर से आवाज आने लगी। इसके बाद मिट्टी हटाने पर गड्ढे के बीच एक चमकीली चीज दिखाई दी। जब उसने पूरी तरह से मिट्टी हटाकर देखा तो एकदम से वह हैरान रह गया। उसने टुकड़े को हाथ में लिया तो समझ गया कि यह सोने का टुकड़ा ही है। इसके बाद उसके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार, उसने बातचीत में कहा कि आप खुदाई करते हैं तो बहुत सारा कचरा निकलता है।



यहां जानवर घूमते हैं आजाद और पिंजरे में कैद होते हैं इंसान

एम्सटर्डम। आमतौर पर जब भी हम किसी म्यूजियम में जाते हैं, तो वहां रखी चीजों को शीशे के पीछे या सुरक्षित दूरी से देखते हैं। खासकर जानवरों से जुड़े म्यूजियम में उनके नमूनों को एक खास तरीके से सजाकर रखा जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी ऐसे म्यूजियम के बारे में सुना है, जहां जानवर आजाद नजर आते हैं और इंसानों को पिंजरे के अंदर घूमना पड़ता है? सुनने में भले ही यह थोड़ा अजीब लगे, लेकिन नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में एक ऐसा ही अनोखा म्यूजियम है। इसका नाम आर्ट जू म्यूजियम है, जहां कदम रखते ही आपको किसी दूसरी दुनिया में पहुंचने जैसा एहसास होगा. एम्सटर्डम की एक पुरानी नहर के किनारे 17वीं सदी की इमारत में बने इस म्यूजियम को दो डच कलाकार याप सिंके और फेरी वैन टोंगेरेन ने तैयार किया है। इसकी सबसे खास बात इसका डिजाइन है। यहां जानवरों के नमूनों को खुले में रखा गया है, जबकि उनके आसपास काले लोहे की जालियां लगाई गई हैं। इन्हीं पिंजरों के बीच से होकर पर्यटक गुजरते हैं और जानवरों को करीब से देखते हैं। यानी यहां जानवरों को कैद नहीं, बल्कि इंसानों को पिंजरे में रखकर देखने का अनोखा अनुभव दिया जाता है। इस म्यूजियम में कई ऐसे नमूने मौजूद हैं, जिन्हें देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा। यहां करीब 12 फीट लंबा मगरमच्छ मुंह खोले लटका हुआ दिखाई देता है। वहीं एक कोने में चीते का नमूना इस तरह रखा गया है, जैसे वह आराम कर रहा हो। इसके अलावा करीब छह फीट तक फैले पैरों वाला जापानी स्पाइडर क्रैब भी आकर्षण का केंद्र है।

वैज्ञानिकों को मिला फल खाने वाला 6.6 करोड़ साल पुराना डायनासोर



न्यूयार्क। डायनासोर का नाम सुनते ही दिमाग में एक विशालकाय जीव की तस्वीर उभरती है। बड़े-बड़े दांत और मजबूत जबड़े. शिकार का पीछा करते हुए दूसरे जीवों को दबोच लेना। लेकिन, क्या आप सोच सकते हैं कि उसी दौर में एक ऐसा डायनासोर भी रहता था जिसे मांस नहीं, बल्कि फल खाना पसंद था? वैज्ञानिकों को करीब 6.6 करोड़ साल पुराना ऐसा ही एक डायनासोर मिला है। इसका नाम 'इन्फर्नोगैलस जेम्सी' रखा गया है। इसे प्यार से 'हेल चिकन' यानी नरक का मुर्गा कहा जा रहा है। इसकी चोंच तोते जैसी थी और वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका शरीर पंखों से ढका हो सकता था। यह डायनासोर अपने समय के सबसे खतरनाक शिकारी टी-रेक्स के साथ धरती पर रहता था। एक रिपोर्ट के अनुसार इस खोज ने डायनासोर की दुनिया को लेकर वैज्ञानिकों की पुरानी समझ में नया मोड़ दिया है। अब तक अधिकतर चर्चा इस बात पर होती रही कि डायनासोर कैसे शिकार करते थे और क्या खाते थे। लेकिन, यह जीव दिखाता है कि उस दौर में खाने-पीने की आदतों में भी काफी विविधता थी। वैज्ञानिकों ने इसकी खोपड़ी का बारीकी से अध्ययन किया और पाया कि इसकी बनावट मुलायम भोजन को चबाने के लिए खास तौर पर विकसित हुई थी। इसके जबड़े आगे-पीछे हिल सकते थे और चोंच पर मौजूद खास धारियां भोजन को मसलने में मदद करती थीं. यानी यह सिर्फ फल निगलता नहीं था बल्कि उन्हें चबाकर खाता था।

तोते जैसी चोंच और पंखों वाला 'हेल चिकन'



टी-रेक्स और ट्राइसेराटॉप्स के साथ रहता था

हेल चिकन उस समय धरती पर मौजूद कई विशालकाय डायनासोर के बीच रहता था। इनमें टी-रेक्स यानी टायरानोसॉरस रेक्स और ट्राइसेराटॉप्स जैसे जीव शामिल थे। एंकिलोसॉरस भी उसी दौर में मौजूद था। इन विशाल जीवों के बीच यह छोटा डायनासोर अपने भोजन के लिए अलग पहचान रखता था। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह फल और दूसरे मुलायम पौधों को खाता था। इसकी खोपड़ी की बनावट इस बात का सबसे बड़ा संकेत देती है। अध्ययन के प्रमुख लेखक और स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी के जीवाश्म विज्ञानी ग्रेग फंस्टन ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से कहा, 'यह खोज डायनासोर की जीवनशैली के बारे में हमारी समझ को काफी व्यापक बनाती है। इससे पता चलता है कि थेरोपॉड समूह के डायनासोर अपने वातावरण के मुताबिक कितने अनुकूल हो सकते थे।'

कहां मिला यह 'हेल चिकन' डायनासोर?

इस डायनासोर के जीवाश्म अमेरिका की हेल क्रीक चट्टानी संरचना में मिले हैं। यह इलाका पहले भी कई मशहूर डायनासोर के जीवाश्मों की खोज के लिए जाना जाता है। इसी जगह के नाम और इसकी पक्षी जैसी बनावट को मिलाकर इसका नाम 'हेल चिकन' रखा गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह करीब 6.6 करोड़ साल पहले क्रिटेशियस काल के आखिरी दौर में रहता था। इसका आकार आज के टर्की पक्षी के आसपास बताया गया है। इसकी लंबाई करीब 1.5 मीटर और वजन लगभग 11 किलोग्राम था। इसके मुंह में दांत नहीं थे। इसकी जगह तोते जैसी मजबूत चोंच थी।

चोंच और जबड़े में मिलीं फल खाने की तीन खास खूबियां

वैज्ञानिकों ने हेल चिकन की खोपड़ी में तीन ऐसी विशेषताएं पहचानीं जो इसे फल खाने वाला डायनासोर बताती हैं। पहली खासियत इसके जबड़ों की मांसपेशियां थीं. इनकी बनावट ऐसी थी कि यह भोजन को आगे-पीछे चबाने में सक्षम था। दूसरी खासियत निचले जबड़े का लचीला जोड़ था। इसकी मदद से निचला जबड़ा आगे की तरफ भी हिल सकता था। इससे भोजन को चबाना आसान होता होगा। तीसरी खासियत इसकी चोंच पर मौजूद उभरी हुई धारियां और खांचे थे। ये मुलायम फल और पौधों के हिस्सों को दबाकर मसलने में मदद करते होंगे। शोधकर्ताओं के मुताबिक आज कुछ पक्षियों और कछुओं में इन खूबियों में से अलग-अलग विशेषताएं देखने को मिलती हैं। लेकिन, इन तीनों का एक साथ मिलना खास है। इससे पता चलता है कि हेल चिकन की चोंच और जबड़े फल खाने के लिए बेहद अनुकूल थे।

गांव में बना 250 साल पुराना मिट्टी का घर, दिखता है हवा महल जैसा



नई दिल्ली। गांव की मिट्टी-हवा, खान-पान, यहां के बने मकान सुकून देते हैं। मिट्टी के बने मकान तो अब कम ही देखने को मिलते हैं। मिट्टी के घर में एक फायदा यही है कि ये गर्मी में ठंडक देते हैं और ठंडी में गर्म रहते हैं। गांव में मिट्टी के ज्यादातर घर दो मंजिला ही होते हैं। सोशल मीडिया पर एक ऐसे मकान का वीडियो वायरल हो रहा जो करीब 250 साल पुराना है। मिट्टी के इस घर में 50 से ज्यादा दरवाजे हैं। मकान बहुत खूबसूरत है। इसमें सैकड़ों की संख्या में आले (तख्ते) हैं। यह मकान कहां का है, यह तो वायरल वीडियो में नहीं बताया गया। ऐसा लग रहा है कि यह मकान यूपी में पूर्वांचल का है। मकान दो मंजिला है। इस दो मंजिला मकान में करीब 52 दरवाजे हैं। हर दरवाजे के पास चार-पांच आले हैं। इस तरह से पूरे मकान में सैकड़ों आले हैं। मकान की दीवारें 3 फीट मोटी हैं। मकान के पहले तल में करीब 24 दरवाजे हैं। इसी तरह दूसरे तल में भी करीब 25 दरवाजे हैं।

पूरे मकान में नहीं है फर्श

मकान करीब दो बीघा में है। इसमें 28 कमरे में है। मकान की देखरेख अब सबसे बड़ी चुनौती है। इस मकान को खपरैल का घर भी कहते हैं। पूरे मकान में वेंटिलेशन का खास ख्याल रखा गया है। घर में कई खिड़कियां हैं। इन्हीं खिड़कियों से गांव के खेत दिखाई देते हैं। मकान में करीब 28 कमरे हैं। हर कमरे के अंदर खिड़की और तीन-चार आले हैं। इन्हीं आलों में पुराने समय में ढिबरी रखकर रोशनी करते थे। पूरे मकान में फर्श नहीं है। इस मकान को मथुरा साहू ने 200 साल पहले बनवाया। वो साहूकार थे। घर में पुरानी डहरी (कोठली) और तराजू, बांट जैसे पुराने आइटम आज भी मौजूद हैं।



आधा नीदरलैंड-आधा बेल्जियम में बंटा है यह घर

दुनिया की वह अनोखी जगह, जहां एक कदम में बदल जाता है देश



एम्स्टर्डम। दुनिया में कुछ जगहें ऐसी हैं, जहां एक कदम चलते ही देश बदल जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी ऐसे घर के बारे में सुना है, जिसका एक दरवाजा खोलने पर आप बेल्जियम पहुंच जाएं और दूसरे दरवाजे से बाहर निकलते ही नीदरलैंड में हों? सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो इन दिनों लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है। इसमें एक शख्स ऐसे ही अनोखे घर को दिखाते हुए नजर आ रहा है, जो दो देशों की सीमा पर स्थित है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में शख्स बताता है कि वह इस समय नीदरलैंड में खड़ा है। इसके बाद वह एक कदम आगे बढ़ता है और बेल्जियम की सीमा में पहुंच जाता है। वीडियो में वह जमीन पर बने निशानों की ओर इशारा करते हुए दोनों देशों की सीमाएं भी दिखाता है।

एक घर, दो देश और दो अलग-अलग पते!

वीडियो का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह घर है, जिसके एक तरफ से बाहर निकलने पर आप बेल्जियम में होंगे, जबकि दूसरी तरफ का दरवाजा आपको नीदरलैंड में ले जाएगा। शख्स घर के बाहर लगे नंबर भी दिखाता है। उसके मुताबिक, इस घर का नंबर 2 बेल्जियम में है, जबकि नंबर 19 नीदरलैंड की तरफ पड़ता है।

कहां है यह अनोखा घर?

यह जगह बेल्जियम और नीदरलैंड की सीमा पर स्थित बार्ले-हर्टोग और बार्ले-नासाउ इलाके की अनोखी सीमा व्यवस्था की याद दिलाती है। इस क्षेत्र में दोनों देशों की सीमाएं इतनी पेचीदा हैं कि कई जगहों पर घरों, दुकानों और सड़कों के बीच से गुजरती हैं। कुछ इमारतें तो ऐसी भी हैं, जिनका एक हिस्सा बेल्जियम में और दूसरा नीदरलैंड में आता है।



चित्रकूट गधा मेला में सबसे महंगा 72 हजार का बिका 'अमिताभ'



चित्र कूट। धर्म नगरी चित्रकूट का ऐतिहासिक गधा मेला देशभर में चर्चित है। यह मेला दीपावली के दूसरे दिन से मां मंदाकिनी नदी के तट पर शुरू हो जाता है। जहां मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित कई जिलों के खरीदार और गधे बेचने वाले आते हैं। इस मेले में गधों को फिल्मी स्टार के नाम से बेचा जाता है। कहते हैं कि यह मेला औरंगजेब के समय से लगता चला आ रहा है। आज भी दिवाली के बाद यह मेला लगता है। इस बार इस मेले में दो दिनों में लगभग 150 गधों का ही क्रय-विक्रय हो पाया है। अगर पिछले साल की बात करे तो लगभग 1 हजार गधों की इस मेले में ब्रिक्री हुई थी। गधा मेले के आयोजक रमेश पांडे बताते हैं कि इस बार गधा मेला पहले की अपेक्षा काफी फीका रहा है। हमेशा यह मेल 5 दिनों तक चलता था, लेकिन इस बार यह मेला दूसरे दिन ही समाप्त हो गया। मेले में इस बार करीब 300 जानवर आए थे। इस बार सबसे महंगा अमिताभ बच्चन ही 72000 रुपए में बिका है।



हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :